दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

पिंक अनारकली सूट और ...8
सिद्धार्थनगर
शनिवार , 09 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 140 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

लोकसभा में डीएमके –कांग्रेस की दोस्ती खत्म? कनिमोझी ने स्पीकर से मांगी अलग सीट

डीएमके की लोकसभा सांसद कनिमोझी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर तमिलनाडु में कांग्रेस के साथ डीएमके के गठबंधन के टूटने के बाद सदन में डीएमके सांसदों के बैठने की व्यवस्था में बदलाव की मांग की है। अपने पत्र में कनिमोझी ने कहा कि बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों और डीएमके–कांग्रेस गठबंधन के समाप्त होने के मद्देनजर, डीएमके सदस्यों का लोकसभा में कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना उचित नहीं होगा। उन्होंने अनुरोध किया कि डीएमके संसदीय दल के सदस्यों को अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने में सक्षम बनाने के लिए उनके लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की जाए। यह कदम तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के बाद बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच आया है, जिसमें टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देते हुए

डीएमके के साथ अपना दीर्घकालिक गठबंधन समाप्त कर दिया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को लोकतंत्र की एक सामान्य घटना करार देते हुए द्रमुक ने बुधवार को कहा कि उसने अपने लंबे राजनीतिक इतिहास में कई उतार–चढ़ाव देखे हैं। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के अनुसार, पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी अब भी जनता के कल्याण हेतु अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पार्टी के उतार–चढ़ाव भरे इतिहास का हवाला देते हुए द्रमुक के संगठन सचिव आर.एस. भारती ने कहा कि 1991 के राज्य विधानसभा चुनाव में 234 सीट में से पार्टी केवल दो सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी। दिवंगत वरिष्ठ नेता एम. करुणानिधि हार्बर से और परिथी इलमवझुथी एम्गोर सीट से विजयी हुए थे।उन्होंने पीटीआई– से कहा, 1991 को कौन भूल सकता है? उस साल हम हार गए थे। लेकिन 1996 में हमने वापसी की और सरकार बनाई। हमने सात दशक से अधिक लंबे इतिहास में कई उतार–चढ़ाव देखे हैं और पार्टी कार्यकर्ता दृढ़ संकल्प दिखाते हुए सत्ता से बाहर होने पर भी अच्छा काम करते रहते हैं।

बहुमत का जुगाड़ पूरा! राज्यपाल ने दिया न्योता

अभिनेता विजय आज बनेंगे तमिलनाडु के सीएम

अभिनेता से राजनेता बने और तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शनिवार (9 मई) को तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे होगा। विजय ने शुक्रवार को राज्यपाल आर.वी. अर्लेकर से तीसरी बार मुलाकात की और 121 विधायकों के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया। तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल दोनों वामपंथी दलों — मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने कहा कि यह (समर्थन देने का) निर्णय भाजपा को राज्य में ''पिछले दरवाजे से प्रवेश'' करने से रोकने के लिए लिया गया है। हालांकि, राज्य के अधिकारों के मामले में वे (वाम दल) द्रमुक के साथ बने रहेंगे। वाम दलों ने घोषणा की कि वे टीवीके मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं बनेंगे। भाकपा और माकपा, दोनों के दो–दो विधायक हैं। उन्होंने दिनभर की चर्चा के बाद अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) की 108 सीटें हैं, लेकिन यह बहुमत के आंकड़े से 10 कम है। ट

12 घंटे में देश से भागेंगे बांग्लादेशी ? तूफानी आईडिया सुन झूमे भारतीय

पश्चिम बंगाल में हार की बौखलाहट के बाद अवैध बांग्लादेशी पागल हो गए हैं। यह बांग्लादेशी बंगाल में बवाल करना चाहते हैं। लेकिन आप सोचिए कि अगर यह अवैध बांग्लादेशी 12 घंटे में खुद ही बंगाल छोड़कर बांग्लादेश भाग जाए तो कैसा होगा? बंगाल बीजेपी के एक नेता ने ऐसा आईडिया बताया है जिससे अवैध बांग्लादेशी खुद देश छोड़कर भाग जाएंगे। एक तरफ शुभेंदु अधिकारी अपने पीए चंद्रनाथ रथ को अंतिम प्रणाम करते हुए फूट–फूट कर रोते दिखे। तो दूसरी तरफ बांग्लादेश लगातार बंगाल में हिंसा बढ़ाने की साजिश में लगा हुआ है। बांग्लादेश के जिहादी नेता बार–बार बयान दे रहे हैं कि बांग्लादेश के 17 करोड़ मुस्लिम ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं। यह खतरनाक बांग्लादेशी नेता दरअसल बंगाल के मुस्लिमों को हिंसा करने के लिए भड़का रहे हैं।

शुभेंदु अधिकारी होंगे बंगाल के नए मुख्यमंत्री

चुने गए विधायक दल के नेता, आज सुबह 11 बजे लेंगे शपथ

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार को पार्टी के विधायक दल के नेता चुने गए, जिससे पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री बनने का उनका रास्ता साफ हो गया। यह घोषणा कोलकाता में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद की गई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी और पार्टी की बंगाल इकाई के प्रमुख सामिक भट्टाचार्य भी उपस्थित थे। अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह अब शनिवार (9 मई) को सुबह 11 बजे कोलकाता

के परेड ग्राउंड में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह, विभिन्न केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। बंगाल की राजनीति में अधिकारी का उदय उल्लेखनीय रहा है। वे कभी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी के भरोसेमंद सहयोगी थे, लेकिन राज्य में 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। तब से, अधिकारी बनर्जी के खिलाफ भाजपा के अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। 2021 के चुनावों में, बनर्जी ने नंदीग्राम में अधिकारी को चुनौती दी थीय हालांकि, टीएमसी सुप्रीमो अपने सहयोगी से प्रतिद्वंद्वी बने अधिकारी से मामूली अंतर से हार गईं। 2026 के चुनावों के लिए, भाजपा नेतृत्व ने अधिकारी को नंदीग्राम और भाबनीपुर, दो सीटों से मैदान में उतारा। भाबनीपुर को बनर्जी का गढ़ माना जाता है, लेकिन अधिकारी ने लगातार दूसरी बार उन्हें 15,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, अधिकारी को 73,917 वोट मिले, जबकि बनर्जी को 58,812 वोट प्राप्त हुए। गौरतलब है कि अधिकारी पांच बार विधायक रह चुके हैं। अधिकारी ने पहली बार 2001 में पश्चिम बंगाल का चुनाव मुगबेरिया से लड़ा था, लेकिन लगभग 15,000 वोटों से हार गए थे।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रम्प को लिखा पत्र

कहा- भारत में लोकतंत्र पर दुनिया को भी सच जानना चाहिए

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम पर बधाई संदेशों की खबरों के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर चिंता व्यक्त की। अमेरिकी राष्ट्रपति को लिखे अपने ट्वीट के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि उनका मानना ह्छै कि चुनाव को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई जा रही चिंताओं को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष रखना उनका कर्तव्य है। राउत ने कहा कि मुझे लगता है कि यह खबर झूठी है। अगर कल मोदी ग्राम पंचायत चुनाव जीत जाते हैं, तो क्या राष्ट्रपति ट्रंप, मैक्रॉन और स्टारमर मोदी को बधाई देंगे? अमेरिका सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारत भी

उठाई गई चिंताओं को उजागर करने की कोशिश की है, जिसमें संस्थानों की भूमिका और चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती से जुड़े आरोप भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सही करना मेरा कर्तव्य है। दुनिया को भी पता होना चाहिए कि इस देश में, पश्चिम बंगाल में, तमिलनाडु में और असम में लोकतंत्र के नाम पर क्या हो रहा है। मुझे विश्वास नहीं होता कि डोनाल्ड ट्रंप ने मेरा ट्वीट पढ़ा होगा, लेकिन मैंने अपना निभाया... ये भाजपा के मोदी की छवि खराब कर । तमिलनाडु में चल रहे तिक घटनाक्रम पर टिप्पणी हुए राउत ने आरोप लगाया ज्यपाल भाजपा के पक्ष में कर रहे हैं और कहा कि सरकार बनाने के लिए सबसे पहले सबसे बड़ी पार्टी को आमंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजभवन में भाजपा के एजेंट बैठे हैं, और इसे लोकभवन कहा जाता है। लेकिन लोकभवन में जनता की भावनाओं और वोटों की हत्या की जाती है। 108 सदस्यों वाली पार्टी को पहले बुलाया जाना चाहिए। यही हमारा संविधान कहता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बारे

टीवीके को समर्थन पर कांग्रेस का दो टूक जवाब, मणिकम टैगोर बोले- कोई माफी नहीं

चेन्नई। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने शुक्रवार को घोषणा की कि विजय की टीवीके (तमिलगा वेट्री कजगम) को समर्थन देने के पार्टी के फैसले के लिए कोई माफी नहीं मांगी जाएगी, क्योंकि यह पार्टी हमेशा से भाजपा विरोधी रही है। साथ ही उन्होंने डीएमके पर अपने चिर प्रतिद्वंद्वी एआईएडीएमके के साथ ष्बातचीतष करने का आरोप लगाया। क पोस्ट में टैगोर ने कहा कि अगर लक्ष्य एनडीए को सत्ता से बाहर रखना और उस जनादेश का सम्मान करना है जो ष्घोरीष जैसा लगता है, तो टीवीके (तमिलगा वेट्री कजगम) जैसी पार्टी का साथ देना रणनीतिक रूप से समझदारी भरा कदम है, खासकर तब जब दूसरा विकल्प भाजपा के बैनर तले पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच गुप्त गठबंधन हो। न्होंने आरोप लगाया कि डीएमके–एआईएडीएमके की ये बातचीत ष्भाजपा के आशीर्वादष से हो रही है और इस संभावित पुनर्गठन को एनडीए का दूसरा नाम बताया। उनका यह बयान तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद बदलते राजनीतिक परिदृश्य के बीच आया है, जब कांग्रेस डीएमके के नेतृत्व वाले एसपीए गठबंधन से अलग हो गई और टीवीके को समर्थन

दिया। विजय की टीवीके पार्टी को 108 सीटें मिलीं, जो बहुमत के लिए आवश्यक 118 सीटों से कम थीं। विजय विधानसभा चुनाव में जीती दो सीटों में से एक सीट खाली करने वाले हैं, जिसके बाद विधानसभा में टीवीके की प्रभावी संख्या 117 हो जाएगी। कांग्रेस की 5 सीटों को मिलाकर गठबंधन के पास 112 सदस्य हो जाएंगे, जो बहुमत से मात्र पांच कम हैं। गोर ने मीडिया के दुष्प्रचार पर निशाना साधते हुए कहा कि गोदी मीडिया और डीएमके समर्थक मीडिया आउटलेट्स की रिपोर्टों में मौजूदा अस्थिरता के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया गया है, जबकि राहुल गांधी ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद व्यक्तिगत रूप से इंडिया ब्लॉक के नेताओं से संपर्क किया था। आरजी ने स्टालिन को फोन किया। आरजी ने ममता को फोन किया। नतीजे वाले दिन ही। अगली सुबह आरजी ने सार्वजनिक रूप से ममता का समर्थन किया। कहा कि भाजपा ने बंगाल में 100 सीटें चुराई हैं। कांग्रेस ने टीवीके का समर्थन किया – जनता के जनादेश का सम्मान करने के लिए, एक स्थिर सरकार बनाने के लिए, एनडीए को सत्ता से बाहर रखने के लिए। और अब गोदी मीडिया कांग्रेस को दोषी ठहरा रहा है। डीएमके समर्थक मीडिया कांग्रेस को दोषी ठहरा रहा है। लेकिन डीएमके एआईएडीएमके से बात कर रही है। भाजपा के आशीर्वाद से। यह व्यावहारिक रूप से एनडीए का दूसरा नाम है। तो मुझे बताइए, क्या कांग्रेस को एनडीए को सत्ता में आने में मदद करनी चाहिए थी?! टीवीके पहले दिन से ही भाजपा विरोधी रही है। कांग्रेस ने उसका साथ दिया। कोई माफी नहीं। मिलनाडु में संवैधानिक गतिरोध बना हुआ है, जिसमें एक फिल्मी सुपरस्टार का राजनीतिक पदार्पण सत्ता के पारंपरिक रखवालों के खिलाफ है। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जिसने दशकों पुराने डीएमके–ए आईएडीएमके के एकाधिकार को तोड़ दिया। हालांकि, कांग्रेस की पांच सीटों के बावजूद, नवगठित गठबंधन के पास अभी भी 113 सीटें हैं जो 234 सदस्यीय सदन में 118 के जादुई आंकड़े से ठीक पांच सीटें कम हैं।

हम साथ छोड़ने वालों में से नहीं...

अखिलेश यादव ने स्टालिन–ममता के साथ फोटो पोस्ट कर कांग्रेस को घेरा

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने तमिलनाडु में डीएमके से संबंध तोड़ने और अभिनेता–राजनेता विजय की तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को राज्य में सरकार बनाने के लिए समर्थन देने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधा। एक्स पर एक तीखे संदेश में अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी और एमके स्टालिन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, मुश्किल समय में हम एक–दूसरे का साथ छोड़ने वाले नहीं हैं, जो तमिलनाडु में राजनीतिक उथल–पुथल के बीच कांग्रेस पर एक स्पष्ट कटाक्ष था। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद नाटकीय घटनाक्रम सामने आया, जिसमें किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला और विधानसभा त्रिशंकु हो गई। 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और बाद में उसने पांच विधायकों वाली कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का फैसला किया, जिससे राज्य में चुनाव के बाद के राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण बदलाव आया। कांग्रेस के इस कदम से नाराज डीएमके ने गुरुवार को घोषणा की कि ष्इंडिया ब्लॉक खत्म हो गया है,

केरल सीएम की रेस में केसी वेणुगोपाल सबसे आगे, 63 में से 47 एमएलए का मिला समर्थन

एआईसीसी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को एआईसीसी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ हुई व्यक्तिगत बैठकों के दौरान कांग्रेस के 63 निर्वाचित विधायकों में से 47 ने, जिनमें केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ भी शामिल हैं, केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में उनके नाम का प्रस्ताव रखा। पार्टी उच्च कमान द्वारा इस सप्ताह के अंत तक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा किए जाने की संभावना

है। सनी के अलावा, संदीप जी वेरियर, सजीव जोसेफ, टी ओ मोहन और उषा विजयन सहित अन्य नवनिर्वाचित विधायकों ने वेणुगोपाल का नाम प्रस्तावित किया। शीर्ष पद के एक अन्य दावेदार रमेश चेन्निथला को करारा झटका लगा जब उनके करीबी आई सी बालकृष्णन ने वेणुगोपाल और चेन्निथला दोनों का समर्थन किया। सूत्रों के अनुसार, पूर्व विपक्ष नेता को आठ नवनिर्वाचित विधायकों का समर्थन प्राप्त है। मौजूदा विपक्ष नेता वी डी सतीशान, जिन्हें इस पद के लिए लोकप्रिय उम्मीदवार माना जा रहा है, को छह विधायकों का समर्थन प्राप्त है। सतीशान और चेन्निथला दोनों ने भी पर्यवेक्षकों से मुलाकात की और पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की। वेणुगोपाल बैठक में अनुपस्थित रहे। 63 विधायकों के अलावा, माकन और वासनिक ने कांग्रेस सांसदों और वरिष्ठ पार्टी नेताओं से व्यक्तिगत बैठकें करके उनकी राय जानने की कोशिश की। जहां तीन पूर्व केपीसीसी अध्यक्षों ने सतीशान का समर्थन किया, वहीं कई वरिष्ठ नेताओं ने वेणुगोपाल का साथ दिया। नई दिल्ली लौट चुके पर्यवेक्षक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

एयर इंडिया क्रैसः 260 मौतों की जांच पर बोले मंत्री छंपकन, एक महीने में आएगी फाइनल रिपोर्ट

पिछले साल एयर इंडिया के बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटना में 260 लोगों की मौत के मामले में जांच अंतिम चरण में पहुंच गई है और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के अनुसार, अंतिम रिपोर्ट लगभग एक महीने के भीतर जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें मिली जानकारी के अनुसार, जांच अंतिम चरण में है। हालांकि, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) स्वतंत्र रूप से जांच कर रहा है और हमने उन्हें सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा दिए हैं। हमें उम्मीद है कि इस प्रक्रिया में लगभग एक महीना और लग सकता है। नायडू ने शुक्रवार को गांधीनगर के जीआईएफटी सिटी में आयोजित इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट

2.0 के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ये टिप्पणियां कीं। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171, जो लंदन गैटविक जा रही थी, 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 241 यात्रियों सहित 260 लोगों की मौत हो गई। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो इस दुर्घटना की जांच कर रहा है। इससे पहले, इसी साल फरवरी में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा था कि दुर्घटना के सभी संभावित कारणों की जांच की जा रही है और जांच को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने भी राज्यसभा को सूचित किया था कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा जांच जारी है। मंत्रालय ने कहा था कि दुर्घटना से जुड़े सभी संभावित कारणों की जांच की जा रही है। पिछले साल 12 जुलाई को जारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में, एएआईबी ने कहा था कि टेक–ऑफ के तुरंत बाद एक सेकंड के भीतर दोनों इंजनों की ईंधन आपूर्ति बंद कर दी गई थी, जिससे कॉकपिट में अफरा–तफरी मच गई थी। रिपोर्ट में कहा

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर एड्स जागरूकता अभियान आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर शास्त्री चौक पर "एड्स जागरूकता एवं बचाव" विषय पर हस्ताक्षर अभियान एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव निगम एवं मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने हस्ताक्षर बैनर पर हस्ताक्षर कर किया।कार्यक्रम में बस्ती विकास सेवा समिति द्वारा स्टॉल लगाकर एचआईवी एवं एड्स के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने तथा बचाव के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव निगम ने कहा कि एचआईवी एक गंभीर बीमारी है और इससे बचाव के लिए सभी को मिलकर लोगों को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत में नए एचआईवी संक्रमणों में 35 प्रतिशत की कमी तथा मौतों में 69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने रेडक्रॉस के जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित यौन संबंध अपनाना चाहिए तथा एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और परामर्श ही इस बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम है। रेडक्रॉस के सभापति संतोष सिंह ने सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मानवता के हित में ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। सचिव रंजीत श्रीवास्तव ने बताया कि जागरूकता ही एड्स से बचाव का सबसे बड़ा माध्यम है तथा एचआईवी पॉजिटिव मरीजों के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।कार्यक्रम का संयोजन कार्यकारिणी सदस्य इमरान अली ने किया। इस अवसर पर राहुल श्रीवास्तव, राजेश ओझा, एल. के. पाण्डेय, उमेश श्रीवास्तव, अशोक सिंह, आनंद पाटिल, अहमद हुसैन, मोहम्मद अशरफ, सानू कुमारी, मनीषा, सोनी, मंजेश, शुभेद्र पाठक, राजकुमार, प्रिंस सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही शून्य, सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में लगातार अतिक्रमण हटाने को लेकर शासन प्रशासन सख्त कदम उठा रहा है तो वहीं कुछ जगहों पर सरकारी विद्यालय के गेट पर पड़ी विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण कर रास्ता अवरोध की चर्चा जोरों पर है और इसका जिम्मेदार कौनध्‍ है ग्राम प्रधान या ग्राम सचिव अथवा लेखपाल फिर हाल अभी तो कुछ कहना मुश्किल है।जनजागरूक लोगों के बीच से चर्चा का विषय बना पंडरी कृपाल ब्लाक अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोनवर्षा का कम्पोजिट विद्यालय जो शिक्षा क्षेत्र पंडरी कृपाल मे है।गेट के ठीक सामने रोड से लगा हुआ सरकारी विद्यालय की भूमि है जिसपर लगातार अवैध तरीके से अतिक्रमण कर लोगों ने झोपड़ पट्टी आदि रख ली है चर्चा के मुताबिक सरकारी विद्यालय के सामने अवैध तरीके से कुछ लोग पशुओं को भी बांधते हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने तो जैसे मुंह मोड़ लिया हो और सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की प ल करने के इंतजार में एक दूसरे की आंस लगाएं हुए हैं।कम्पोजिट विद्यालय की जो भूमि होती है उसपर सिर्फ विद्यालय के उपयोग हेतु ही अधिकृत मानी जाती है।कई लोगों से दबे जुबान में जानकारी मिली है कि अवैध अतिक्रमण हटाने का प्रयास किया जाता है लेकिन कुछ दिनों बाद पुनः अतिक्रमण कर लिया जाता है।अब सवाल यह उठता है कि जब अतिक्रमण शासन प्रशासन के देखरेख में हटता है तो पुनः अतिक्रमण किसके सह पर हो जाता है।इस प्रकार के अवैध अतिक्रमण व विद्यालय गेट पर कब्जा करने के सम्बन्ध में हमारे मीडिया कर्मियों ने ग्राम प्रधान सोनवर्षा के दूरभाष पर सम्पर्क करने की कोशिश भी किया लेकिन किन्हीं कारणवश उनका पक्ष नहीं मिल सका।अब देखना यह है कि क्या खबरों का संज्ञान जिम्मेदार लेंगे और अतिक्रमण कारियों पर कड़ी कार्यवाही करके कम्पोजिट विद्यालय के सामने की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर भविष्य में ऐसा न है उचित कानूनी व्यवस्था होगी या सिर्फ नाममात्र ही होगा।

मारने पीटने, बाउन्ड्री गिराने, परिजनों को परेशान करने के मामले में दोषियो के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के सुहगिया शंकरपुर निवासिनी संजू पत्नी शिवपूजन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर क्षेत्राधिकारी हर्रैया को पत्र देकर आबादी की भूमि में जबरिया कब्जा करने की कोशिश और बाउन्ड्रीवाल गिरा देने, संजू को मारने पीटने, छावनी के दारोगा द्वारा दबाव बनाकर मनमाना एफआईआर दर्ज करने, उल्टे विवेचक द्वारा परिवार के सदस्यों, नात रिश्तेदारों को आये दिन थाने पर बुलाकर प्रताड़ित करने, फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुये विवेचक को बदलने और टूटी बाउन्ड्री को बनवाये जाने की मांग किया है।सीओ हर्रैया दिये पत्र में संजू पत्नी शिवपूजन ने कहा है कि गत 4 अप्रैल को गांव के ही रूष्मा पत्नी हरिविजय, राम प्रसाद पुत्र रामदास उनकी आबादी की भूमि में जबरिया कब्जा करने की कोशिश करने लगे। संजू ने जब इसका विरोध किया तो उन लोगों ने उसे मारा पीटा। शिवपूजन ने जब इसकी सूचना थाने पर दिया तो पुलिस ने न्याय दिलाने की जगह उसे भगा दिया। उसी दिन शाम को उक्त लोग धारदार हथियार लेकर घर पर चढ आये और उसके पुत्र लगभग 11 वर्षीय अभिषेक को मारा पीटा। वह फिर थाने पहुंचा किन्तु कोई सुनवाई नहीं हुई। 5 अप्रैल को उक्त लोगों ने उसकी बाउन्ड्रीवाल को गिरा दिया जिसका वीडियो उपलब्ध है। पुलिस ने शिवपूजन के तहरीर की जगह अपने तरीके से हल्के धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और अभियुक्त हरिविजय को मुल्जिम बना दिया जो यहां रहते ही नहीं है। शिवपूजन ने वीडियो के आधार पर नये सिरे से मुकदमा पंजीकृत कराकर विवेचक को बदलकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपनी जमीन को बचाने की गुहार पुलिस उच्चाधिकारियों से लगाया है।

सिद्धार्थनगर में घी–तेल की जांच तेज, खाद्य विभाग ने लिए 11 नमूने

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मिलावटी घी और तेल की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के विभिन्न बाजारों में अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने तहसील बांसी, इटवा, डुमरियागंज समेत कई बाजारों में जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान बांसी के मंगल बाजार से रिफाइंड मूंगफली तेल, तिल का तेल और घी, इटवा बाजार से डेयरी महक घी, वंशज घी और एमडीएच सरसों तेल, महादेव घुरहु बाजार से मल्टी सोर्स एडिबल ऑयल, रिफाइंड पॉमोलिन ऑयल और रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, रमवापुरकली से रिफाइंड मूंगफली तेल तथा डुमरियागंज तहसील के धोबहा बाजार से घी का नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल 11 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान खाद्य कारोबारियों को मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री न करने तथा खाद्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र

सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए। जांच टीम में सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय आर एल यादव, मुख्य प्रताप सिंह तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरा लाल, नीरज कुमार चौधरी और रंजन कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे।

प्रेमी को कमरे में बंद कर जलाने की आरोपी महिला गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मुण्डेरवा पुलिस ने युवक को कमरे में बंद कर आग लगाने के मामले में वांछित अभियुक्ता को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्ता क्रांति चौधरी पत्नी दयाशंकर निवासी थाल्हापार थाना लालगंज जनपद बस्ती को शुक्रवार को मुण्डेरवा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 02 मई 2026 को सरस्वती पत्नी सीताराम गुप्ता निवासी बरहुआ थाना मुण्डेरवा ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि क्रांति चौधरी उनके पुत्र रामचंद्र गुप्ता के साथ पिछले चार वर्षों से बिना शादी किए पति–पत्नी की तरह रह रही थी तथा पिछले दो माह से उनके घर में रह रही थी। आरोप है कि एक मई की रात लगभग 11 बजे क्रांति चौधरी कमरे में आग लगाकर दरवाजा बंद कर फरार हो गई, जिससे रामचंद्र गंभीर रूप से झुलस गया। उसका इलाज मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में चल रहा था। इस मामले में थाना मुण्डेरवा पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इलाज के दौरान 06 मई की रात करीब 10 बजे रामचंद्र की मृत्यु हो गई। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में और धारा की बढ़ोत्तरी करते हुए कार्रवाई तेज की और अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष मुण्डेरवा प्रदीप कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अमरनाथ यादव, हेड कांस्टेबल पुनीत पाठक, कांस्टेबल कामोद कुशवाहा तथा महिला कांस्टेबल मौसम यादव शामिल रहे।

तीन विद्यालयों को मिले सात शिक्षक, शैक्षिक व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में लंबे समय से चल रही शिक्षकों की कमी अब दूर होने लगी है। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत आयोग से चयनित सात सहायक अध्यापकों की तैनाती तीन विद्यालयों में की गई है, जिससे शैक्षिक कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है।जानकारी के अनुसार विभिन्न विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति से छात्रों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। नियुक्त शिक्षकों में विज्ञान, गणित, हिंदी, सामाजिक विज्ञान सहित अन्य विषयों के अध्यापक शामिल हैं।बीएसए शैलेश कुमार ने बताया कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय पथरा बुजुर्ग में तीन शिक्षकों की तैनाती की गई है। इनमें सामाजिक विज्ञान, हिंदी और गणित विषय के शिक्षक शामिल हैं। वहीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय हिसामुद्दीनपुर में दो शिक्षकों की नियुक्ति हुई है, जहां हिंदी, गणित और विज्ञान विषय की पढ़ाई को मजबूती मिलेगी।इसके अलावा मदनमोहन मालवीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मरवटिया बाजार में भी दो शिक्षकों की तैनाती की गई है। विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।अब नई नियुक्तियों के बाद विद्यार्थियों को विषयवार बेहतर शिक्षा का लाभ मिलेगा और परीक्षा परिणामों में भी सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

नेपाल में सड़क हादसे में चाचा की मौत, भतीजा घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नेपाल के लुंबिनी थाना क्षेत्र के महडिहिया में हुए सड़क हादसे में मोहाना थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार मोहाना थाना क्षेत्र के दुल्हा सुमाली गांव निवासी बाबू साहब (40) अपने भतीजे के साथ बाइक से नेपाल गए थे। लौटते समय महडिहिया के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रतार और अनियंत्रित बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की सूचना पर नेपाल पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। इलाज के दौरान बाबू साहब की मौत हो गई, जबकि उनका भतीजा अस्पताल में भर्ती है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

अब प्रीपेड मीटरों के पोस्टपेड होने का रास्ता साफ, 24 दिनों में लागू होगी नई व्यवस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राजधानी के बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। बिजली विभाग ने प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड में बदलने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। हालांकि, तकनीकी बदलाव और प्रक्रियाओं के कारण इस व्यवस्था का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलने में अभी 24 दिन का समय लगेगा।विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, प्रीपेड से पोस्टपेड ट्रांज़िशन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा रही है। विभाग का प्रयास है कि यह बदलाव बिना किसी तकनीकी बाधा के पूरा हो। इस बीच उपभोक्ताओं को एक बड़ी राहत यह दी गई है कि यदि इस दौरान किसी का बैलेंस श्नेगेटिवश हो जाता है, तो भी विभाग उनकी बिजली नहीं काटेगा।पोस्टपेड व्यवस्था लागू होने के बाद बिलिंग का सिस्टम पूरी तरह बदल जाएगा। अधिकारियों ने बताया की उपभोक्ता 27 से 30 दिनों के भीतर जितनी बिजली खर्च करेगा, उसके आधार पर महीने के अंत में बिल जारी किया जाएगा।विभागीय योजना के अनुसार, 1 जून से सभी प्रीपेड मीटर पूरी तरह से पोस्टपेड की तरह काम करने लगेंगे। इससे उन हजारों उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी जिन्हें बार–बार बैलेंस खत्म होने और बिजली कटने का डर बना रहता था। अब उपभोक्ता पूरे महीने निर्बाध बिजली का उपयोग कर सकेंगे और महीने के अंत में बिल का भुगतान करेंगे।

पापा मुझे बचा लो, ये मार डालेगा.. गुजरात से बेटी की गुहार पर जागा पिता, केस दर्ज

शादी का झांसा देकर गांव का ही युवक ले गया था गुजरात(बंधक बनाकर मारपीट और जान से मारने की धमकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से दो माह पूर्व लापता हुई युवती ने फोन पर अपने पिता से जान बचाने की गुहार लगाई है। गुजरात में बंधक बनी बेटी की दर्दनाक आपबीती सुनने के बाद पिता ने पुलिस की शरण ली है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।तहरीर के मुताबिक, पीड़ित की बेटी करीब दो महीने पहले गांव के ही एक युवक के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। पिता लोकलाज के डर से पुलिस के पास जाने के बजाय रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश करता रहा। जब कहीं पता नहीं चला, तो परिवार मायूस हो गया था।तीन–चार दिन पहले अचानक पीड़ित के पास उसकी बेटी का फोन आया। रोते हुए बेटी ने बताया कि गांव का ही महेश पुत्र रामकिशुन उसे शादी का झांसा देकर और बहला–फुसलाकर गुजरात ले आया है। युवती का आरोप है कि महेश उसे वहां एक कमरे में बंद रखता है और आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। किसी को बताने या विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। बेटी ने फोन पर कहा, ष्पापा, मैं चोरी–छिपे फोन कर रही हूँ, प्लीज मुझे बचा लीजिए वरना ये मुझे मार डालेगा।बेटी की कॉल आने के बाद पिता ने आरोपी महेश के परिजनों से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने सहयोग करने के बजाय युवक का पक्ष लिया और पीड़ित परिवार को ही प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर पल्ला झाड़ लिया। थक–हारकर पिता ने बांसी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने आरोपी महेश के खिलाफ बीएनएस (ठछै) की धारा 87, 115(2), 352 व 351(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम अब युवती की लोकेशन ट्रैक कर उसे सकुशल बरामद करने और आरोपी की गिरतारी के प्रयास में जुट गई है।

सिद्धार्थ विवि के छात्र को सात लाख के पैकेज का ऑफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के छात्र दीपक कुमार वर्मा को जापान की एक प्रतिष्ठित कंपनी से सात लाख रुपये वार्षिक पैकेज का ऑफर मिला है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय में खुशी का माहौल है।दीपक कुमार वर्मा की सफलता को विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। शिक्षकों का कहना है कि यह सफलता छात्रों की मेहनत और विश्वविद्यालय में मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीपक को बधाई देते हुए कहा कि छात्र ने अपने उत्.ष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन और कौशल के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। इससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों ने बताया कि विभाग में छात्रों को रोजगारोन्मुख शिक्षा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन नोटिस
सं.: LJN-PRKG-15-26

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है– **क्र.सं. 1. लॉट सं.: PARKING-LJN-SNC-MX-121-25-1 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: स्वामी नारायन छपिया स्टेशन** के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. 2. लॉट सं.: PARKING-LJN-GKC-MX-111-24-2 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: गोरखपुर कैण्ट स्टेशन** के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु। • निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। ireps पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। • सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दि0–**12.05.2026, 11:00 बजे** प्रारंभ होकर **12.05.2026, 11:40 बजे** बंद होगी। • इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। • अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। • विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ
मुजाधि/वाणिज्य–31
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

खेसरहा सीएचसी पर जल्द शुरू होगी डायलिसिस सेवा, मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर जल्द ही डायलिसिस सेवा शुरू होने जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेज दिया है।

प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद मशीनों और अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था कर सेवा शुरू की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों के किडनी मरीजों को वर्तमान में डायलिसिस के लिए जिला मुख्यालय या मेडिकल कॉलेज जाना पड़ता है, जिससे उन्हें समय और धन दोनों की परेशानी उठानी पड़ती है। इसी समस्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने खेसरहा सीएचसी में डायलिसिस यूनिट स्थापित करने की पहल की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया ने बताया कि खेसरहा ब्लॉक सीएचसी पर डायलिसिस सेवा उपलब्ध कराने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही मशीनों और जरूरी संसाधनों की व्यवस्था कर सेवा शुरू कर दी जाएगी। वहीं बस्ती मंडल के अपर निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। खेसरहा में डायलिसिस सेवा शुरू होने से आसपास के मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार मिल सकेगा। वर्तमान में जिले के मेडिकल कॉलेज में डायलिसिस सुविधा उपलब्ध है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। खेसरहा सीएचसी पर यह सुविधा शुरू होने से ग्रामीण मरीजों को काफी राहत मिलेगी और उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

दुल्हा सुमाली में लगी ग्राम चौपाल, डीएम बोले–योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचे

दैनिक बुद्ध का संदेश राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बर्डपुर की ग्राम पंचायत दुल्हा सुमाली में शुक्रवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में "गांव की समस्या गांव में समाधान" कार्यक्रम के तहत ग्राम चौपाल आयोजित की गई। चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ मिलने की स्थिति की समीक्षा की। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस दौरान डीएम ने कहा कि "वाइब्रेंट विलेज" योजना भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत सीमावर्ती गांवों में सड़क, कनेक्टिविटी और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। उन्होंने भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र के लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जागरूकता से तस्करी जैसी गतिविधियों पर रोक लगाई जा सकती है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं ताकि उन्हें पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिल सके। किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान सम्मान निधि से जुड़ी समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पूरे जनपद में चौपालों के माध्यम से लोगों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है और शासन की योजनाओं को और प्रभावी बनाया जाएगा। चौपाल में वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन से संबंधित शिकायतों पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि ब्लॉक स्तर के कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं और पात्र लोगों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। डीएम ने बिजली विभाग की एकमुश्त समाधान योजना का लाभ लेने, राशन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने तथा वरासत, भूमि विवाद और पैमाइश के मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन्म, आय, जाति और निवास प्रमाण–पत्र के आवेदन निर्धारित समय में निस्तारित किए जाएं तथा पात्र किसानों को कृषक दुर्घटना बीमा और आपदा राहत योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कराई तथा वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, डीसी एनआरएलएम देवनंदन दूबे, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह, खंड विकास अधिकारी बर्डपुर ओमप्रकाश यादव सहित अन्य अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

दीवार गिराने और जान से मारने की धमकी के आरोप में चार पर मुकदमा, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के सकारपार गांव में पुरानी दीवार गिराने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में खेसरहा पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। गांव निवासी पवन कुमार मिश्रा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उन्होंने करीब चार वर्ष पूर्व अपनी जमीन पर चार फीट ऊंची दीवार बनवाई थी। आरोप है कि गांव के ही नंदवा मिश्रा, हई, गोरख समेत चार लोगों ने एक सप्ताह पूर्व दीवार को तोड़ दिया। विरोध करने पर आरोपित गाली–गलौज करने लगे और लाठी–डंडा लेकर मारने दौड़ा लिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित के अनुसार घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और तहरीर के आधार पर चारों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। थानाध्यक्ष खेसरहा अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से जानकारी जुटाई जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बढ़नी में एसएसबी के "हवा महल" का सांसद जगदंबिका पाल ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश /राजेश शर्मा

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बढ़नी स्थित 50वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सीमा चौकी परिसर में निर्मित "हवा महल" का उद्घाटन सांसद जगदंबिका पाल ने किया। इस अवसर पर 50वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बलरामपुर के कमांडेंट संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी, जवान और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि सीमा क्षेत्र में जनसुविधाओं और सौंदर्यीकरण को समर्पित ऐसे प्रयास क्षेत्र के विकास के साथ–साथ सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

सिद्धार्थनगर में दिव्यांगजनों के लिए लगा मोबाइल कोर्ट, 130 से अधिक शिकायतों पर हुई सुनवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अम्बेडकर सभागार विकास भवन में शुक्रवार को दिव्यांगजनों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन प्रो. हिमांशु शेखर झा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मोबाइल कोर्ट में जनपद के 130 से अधिक दिव्यांगजनों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें और प्रकरण प्रस्तुत किए। इनमें आवास एवं शौचालय से संबंधित 55, राशन कार्ड एवं गैस कनेक्शन से जुड़े 50, आयुष्मान कार्ड के 30, रेलवे पास के 26, दिव्यांग पेंशन के 13 तथा दिव्यांग प्रमाणपत्र से संबंधित 9 प्रकरण शामिल रहे। इसके अलावा विद्युत, रोजगार, राजस्व, शिक्षा, पुलिस और मत्स्य विभाग से जुड़े मामलों की भी सुनवाई की गई। राज्य आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को शिकायतों के निस्तारण के लिए एक माह की समयसीमा निर्धारित करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान दो दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर भी वितरित की गई। मोबाइल कोर्ट में छह ऐसे दिव्यांग बच्चे भी पहुंचे, जिनका यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग प्रमाणपत्र अब तक जारी नहीं हो पाया था। इस पर राज्य आयुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि अस्थायी दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी न किए जाएं तथा प्रमाणपत्र के लिए प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर अधिकतम 30 दिनों के भीतर सुनवाई और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक नागेंद्र मोहन त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एमपी सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रोहिनी यादव, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी संदीप मौर्य, बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेसरहा में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना खेसरहा के थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने ग्राम करमाबाबू में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान गांव की बालिकाओं एवं महिलाओं को महिला अपराध, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी से बचने तथा किसी भी प्रकार की उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पम्पलेट वितरित किए गए। थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनाना है, ताकि वे किसी भी अपराध के खिलाफ निडर होकर आवाज उठा सकें। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

भारत–नेपाल सीमा पर सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन, ककरहवा चेक पोस्ट पर बने स्थायी कमरे व शौचालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से क्रिटिकल गैप्स योजना के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों तथा ककरहवा अंतरराष्ट्रीय गेट के पास चेक पोस्ट पर बने स्थायी कमरे और शौचालय का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया। उद्घाटन जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं 43वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट उज्जल दत्ता ने फीता काटकर किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सीमा क्षेत्र के नौ स्थानों पर आधुनिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीमा पर तस्करी रोकने के लिए एसएसबी और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं तथा जिला प्रशासन द्वारा एसएसबी को हर संभव सहयोग दिया जाएगा। डीएम ने बताया कि "वाइब्रेंट विलेज, सशक्त सीमाएं" योजना के तहत सीमावर्ती गांवों में विकास और कनेक्टिविटी से जुड़े कई कार्य कराए जा रहे हैं। वहीं कमांडेंट उज्जल दत्ता ने कहा कि भारत–नेपाल सीमा की सुरक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और चेक पोस्ट पर आवश्यक सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। कैमरों के माध्यम से निगरानी व्यवस्था और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि एसएसबी जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य कर रही है। कार्यक्रम के अंत में असिस्टेंट कमांडेंट एसएसबी कैलास दान ने सभी अतिथियों और अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नौगढ़ विश्वजीत सौरयान, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग कमल किशोर सहित अन्य अधिकारी और एसएसबी के जवान मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में आबकारी विभाग की छापेमारी, 65 लीटर अवैध शराब बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत शुक्रवार को आबकारी विभाग ने जिले के कई क्षेत्रों में अवैध शराब के खिलाफ सघन अभियान चलाया। जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षकों की टीम ने ओदनवाताल, मंझरिया, बंधवाताल, झुंगहवा और मिश्रौलिया समेत विभिन्न गांवों में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान 65 लीटर अवैध शराब और 250 किलोग्राम महुआ लहन बरामद किया गया। आबकारी टीम ने मौके पर महुआ लहन को नष्ट करते हुए बरामद शराब को कब्जे में ले लिया। इस मामले में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में तीन अभियोग दर्ज किए गए हैं। दबिश टीम में आबकारी निरीक्षक अमरेंद्र सिंह, संजय पाण्डेय और रितिक वर्मा सहित विभागीय स्टाफ मौजूद रहा।

सियाँव नानकार में चौपाल लगाकर दी योजनाओं की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत सियाँव नानकार में "गांव की समस्या, गांव में समाधान" अभियान के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव कामेश्वर मिश्रा ने की। चौपाल में ग्रामीणों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। सचिव ने पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, व्यक्तिगत शौचालय तथा विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (जी–राम–जी) ग्रामीण योजना के बारे में जागरूक किया। साथ ही स्वच्छता के प्रति प्रेरित करते हुए गांव में साफ–सफाई बनाए रखने का संदेश दिया। आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं की जानकारी देते हुए स्वरोजगार के लिए मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार एवं मसाला पाउडर जैसे गृह उद्योगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। महिला विकास संस्थान से ब्लॉक ऑफिसर अमन शर्मा ने ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए शपथ दिलाई। साथ ही साइबर अपराध से बचाव को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि आर.डी. त्यागी, रोजगार सेवक गिरजेश चौधरी, पंचायत सहायक सोनी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री विनीता त्यागी, सफाई कर्मी संगीलाल सहित सहित गाँव के गाँव के गणेश, रामराज, धनई, सुखराज, आकाश, श्यामलाल, सुभावती, किसलावती, बबलू, सुधा आदि मौजूद रहे।

बिजली के करंट की चपेट में आने से झुलसा युवक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के मदराना खास गांव में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। चिल्हिया थाना क्षेत्र के पल्टा देवी गांव निवासी अमन कुमार गुप्ता ट्रैक्टर से टेंट का सामान लेकर समारोह स्थल पर जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार गांव में बिजली का तार काफी नीचे लटक रहा था। रास्ता साफ करने के उद्देश्य से युवक ने हाथ से तार को ऊपर उठाने का प्रयास किया। इसी दौरान तार एक स्थान पर कटा होने के कारण वह करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि परिजन युवक का इलाज स्थानीय एक निजी अस्पताल में करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि युवक की हालत अब खतरे से बाहर है।

17 मई से 15 जून तक नहीं होंगे मांगलिक कार्य, पुरुषोत्तम मास में विवाह पर रहेगी रोक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष 17 मई से पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) की शुरुआत होने जा रही है। इसके साथ ही विवाह, तिलकोत्सव, गौना, गृहप्रवेश और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों पर अस्थायी विराम लग जाएगा। पुरुषोत्तम मास की समाप्ति 15 जून को होगी, जिसके बाद पुनः शुभ मुहूर्त प्राप्त होंगे। महादेव ज्योतिष केंद्र के संस्थापक ज्योतिषाचार्य हिमांशु पाराशर ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार अधिकमास के दौरान फल प्राप्ति की कामना से किए जाने वाले कई मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं। इनमें प्रथम बार तीर्थयात्रा आरंभ करना, गृह निर्माण, गृह प्रवेश, विवाह, कुआं–तालाब या बोरिंग खुदवाना, यज्ञोपवीत, कर्णवेध, मुंडन और वधू प्रवेश जैसे संस्कार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन कार्यों को टालना संभव न हो या जिनके लिए बाद में अवसर न मिले, वे आवश्यक कार्य किए जा सकते हैं। वहीं नए वस्त्र, आभूषण, फ्लैट, वाहन तथा नित्य उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी और उनका प्रथम उपयोग शुभ माना गया है। ज्योतिषाचार्य हिमांशु पाराशर ने कहा कि पुरुषोत्तम मास में निष्काम भाव से किए गए व्रत, पूजा और दान का अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं इस मास को विशेष फलदायी बताया है। इस दौरान ब्राह्मणों, साधु–संतों और जरूरतमंदों की सेवा को अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

सम्पादकीय

जाहिर है,अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को ...

बंगाल में कानूनी व्यवस्था की हो बहाली

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुघ्वा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरुआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे। दरअसल, ये लोग अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक शरण लेकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहे हैं। जाहिर है,अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को पार्टी का सदस्य न बनाये तब तक वह व्यक्ति खुद को भाजपा का नहीं बता सकता है। बहरहाल, राज्य में शांति की स्थापना शासन–प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सदा खुश रहने के विकल्प का संकल्प

मैंने साक्षातद्द देखा है, कटी नाक वाले बहुत आगे तक जाते हैं। इतने आगे कि देखते ही देखते वे भरी–पूरी नाक वालों के रोल मॉडल बन जाते हैं। जबकि नाक वाले सारी उम्र अपनी नाक की साख बचाते–बचाते मर जाते हैं। मित्रो! मैं नेटिव नहीं, ऑल्टरनेटिव जीव हूं। मैं न एक दोस्त के भरोसे हाथ पर हाथ धरे रहता हूं न एक दुश्मन के। घर में आटा खत्म हो तो जमकर चावल खा पेट भर लेता हूं। चावल भी खत्म हों तो दाल पीकर पेट भर लेता हूं। दाल भी खत्म हो तो पानी पीकर भी पेट भर लेता हूं। बिजली महंगी हो जाती है तो पंखा बंद कर प्याज के गट्टे से दिल को ठंडक पहुंचा लेता हूं। आप भी ट्राई कीजिए। उतनी ठंडी हवा एसी नहीं देता जितना प्याज का गट्टा देता है। मुझे पता है कि प्याज के बहुआयामी उपयोग हैं। वह तड़के के लिए ही काम नहीं आता। गर्मियों में एसी से भी अधिक कूल कूल हवा के काम आता है। पानी महंगा हो जाता है तो बावड़ी की तरफ हो लेता हूं मुंह की तरह बाल्टी उठाए। बावड़ी पर जा नहा भी आता हूं और वहां से बाल्टी भर पानी भी लेता हूं। भले ही बावड़ी पर नोटिस लगा हो कि इस बावड़ी का जल सेहत के लिए हानिकारक है। अगर सड़क से लेकर संसद तक लगे हानिकारक नोटिसों की तरफ ध्यान दिया जाए तो मित्रो कल को घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो जाए।   ऑल्टरनेटिव जीव होने के चलते छोटू–मोटू महंगा होने पर मैंने घर में गैस की जगह लकड़ियों का चूल्हा जलाना शुरू कर दिया है। वैसे भी घर के आसपास बहुत झाड़ियां हो गई थीं। इस बहाने वे अब कट जाएंगी तो अड़ोस–पड़ोस थोड़ा साफ–सुथरा हो जाएगा और मेरा काम भी चल पड़ेगा। सिलेंडर महंगा होने के बाद भी कम से कम पका खाना तो खा सकूंगा। चूल्हे से जो लकड़ियां जलाकर राख निकलेगी उससे बर्तन धो लूंगा। कम से कम अब राख फ्लिपकार्ट, अमेजन से तो नहीं मंगवानी पड़ेगी। रही बात चूल्हे के धुएं से नजरें खराब होने कि तो जो जब चारों ओर कुछ देखने लायक है ही नहीं तो सही नजरों का क्या लाभ। कल मेरे पड़ोसी ने सिलेंडर महंगा होने पर जंगलात महकमे के ऑफिस के साथ लगता पेड़ काट दिया। दिन–दहाड़े। उसका साहस देख मैंने उससे पूछा,'ये क्या कर रहे हो?' तब उसने कुल्हाड़ी मेरे हाथ में पकड़ाते पसीना मुझ पर झाड़ते हुए कहा,' 'सरकारी पेड़ काट रहा हूं।' 'सरकार जेब काट रही है। सब कुछ कट जाए तो कट जाए, पर किसी भी हाल में आदमी की जेब नहीं कटनी चाहिए,' उसकी बातें सुन लगा, मेरे मोहल्ले में एक और दार्शनिक ने जन्म ले लिया। वैसे मैंने साक्षातद्द देखा है, कटी नाक वाले बहुत आगे तक जाते हैं। इतने आगे कि देखते ही देखते वे भरी–पूरी नाक वालों के रोल मॉडल बन जाते हैं। जबकि नाक वाले सारी उम्र अपनी नाक की साख बचाते–बचाते मर जाते हैं।

उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की कोशिश

यद्यपि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत संघ–सूची की प्रविष्टि 66 में उच्चतर शिक्षा या अनुसंधान संस्थानों तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में समन्वय एवं मानकों के निर्धारण का प्रावधान है। निरूसंदेह, इतने व्यापक बदलाव को लागू करना अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है। संस्थागत संस्कृति, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और मानव संसाधनों में समन्वय स्थापित करना दीर्घकालिक और जटिल .

.. विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है। भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे न केवल अपने पारंपरिक ढांचे की सीमाओं को पार करना है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित भी करना है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, स्वायत्तता और जवाबदेही को नई दिशा देना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण चरण पर इसका आगमन महज संयोग नहीं है, बल्कि इसे शिक्षा सुधारों की अगली स्वाभाविक और अनिवार्य कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है। तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग–अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी

होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं। इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता हैकृतीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग–अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग–अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास। विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम–आधारित और छात्र–केंद्रित बनाना है। इस विधेयक का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू हैकृवित्तीय सहायता और नियमन के कार्यों का पृथक्करण। पहले यूजीसी अनुदान देने और नियमन दोनों कार्य करता था। नए ढांचे में इन दोनों कार्यों को अलग करने का प्रयास किया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। पहले पहल यह विधेयक प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है। दूसरा, स्पष्ट मानकों और सुदृढ़ प्रत्यायन प्रणाली के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। तीसरा, यह भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर सकता है, जिससे विदेशी छात्रों और निवेश को आकर्षित किया जा सके। लेकिन चिंताएं यह भी हैं कि इसके माध्यम से अत्यधिक केंद्रीकरण का खतरा है। एक ही संस्था में व्यापक शक्तियां केंद्रित होने से संघीय ढांचे और राज्यों की भूमिका प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, वित्तीय प्रावधानों की अस्पष्टता भी एक गंभीर मुद्दा है, जो विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि नियामक परिषद की शक्तियां अत्यधिक बढ़ जाती हैं, तो संस्थानों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है। विधेयक के संदर्भ में बड़ी चिंता संघीय ढांचे पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर है। यद्यपि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत संघ–सूची की प्रविष्टि 66 में उच्चतर शिक्षा या अनुसंधान संस्थानों तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में समन्वय एवं मानकों के निर्धारण का प्रावधान है। निरूसंदेह, इतने व्यापक बदलाव को लागू करना अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है। संस्थागत संस्कृति, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और मानव संसाधनों में समन्वय स्थापित करना दीर्घकालिक और जटिल प्रक्रिया होगी। यदि इसे सावधानीपूर्वक और चरणबद्ध तरीके से लागू नहीं किया गया, तो यह सुधार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा। अंततः विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 एक ऐसा प्रयास है, जो भारत की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। **लेखक पंजाब विवि. में कानून के प्राध्यापक हैं।**

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग...

विध्वंस से सृजन तक की यात्रा का जीवंत होना

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। जय सोमनाथ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत व अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस–आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से उद्घोष कर रही हैं कि

मानवीय चेतना लंबे समय तक दबायी नहीं जा सकती। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा हैकृप्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवमद्द्अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन–पूजन हेतु आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार–चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता को ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। मान्यता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक–सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना–ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा–पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनका साहस–बलिदान स्मरणीय है। 1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैली। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी– सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर, 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, 'इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।' उनके आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भरा। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित किया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार उपरांत सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस होता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। मुझे अक्तूबर, 2001 का समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्तूबर, 2001 को, सरदार पटेल की जयंती पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया। 11 मई, 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा।

जंग के बीच मोदी का बड़ा खेल! अचानक दिल्ली क्यों आ रहे ईरान के विदेश मंत्री?

मिडिल ईस्ट जल रहा है। अमेरिका और ईरान आमने–सामने खड़े हैं। इजराइल लगातार हमले कर रहा है। इसी बीच बता दें कि एक ऐसा कदम उठा है। एक ऐसा फैसला सामने आया है जिसने पाकिस्तान से लेकर वाशिंगटन तक बेचैनी को बढ़ाकर हलचल मचा दी है। ईरान के विदेश मंत्री और ईरान के उप विदेश मंत्री यह दोनों ही बता दें कि दिल्ली आने की तैयारी कर रहे हैं। यह जल्द ही दिल्ली आने वाले हैं। जंग के बीच में, बारूद के ढेर के बीच में और लगातार सामने आ रही धमकियों के बीच तेहरान ने जिस राजधानी की तरफ अपना रुख किया है, उसका नाम है नई दिल्ली। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिरकार ऐसा क्या है दिल्ली के पास जो पाकिस्तान के पास नहीं है? क्यों पाकिस्तान में अमेरिका, ईरान बातचीत ठंडी पड़ गई, फेल हो गई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ब्रिक्स के जरिए अमेरिका के दबदबे को चुनौती देने की नई पटकथा दिल्ली से लिखी जाए। यह याद रखिए कि जंग के वक्त देश सिर्फ दोस्त नहीं चुनता बल्कि वो चुनते हैं कि भविष्य किसके साथ दिखना है और इसी वक्त बता दें कि तेहरान का जो कंपास है यह बार–बार दिल्ली की तरफ घूमता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 14–15 मई को नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में ईरान के विदेश मंत्री और उप विदेश मंत्री यह दोनों ही शामिल हो सकते हैं। भारत इस समय ब्रिक्स का चेयरमैन है और सितंबर में होने वाले बड़े ब्रिक्स समिट की तैयारी की जा रही है। लेकिन यह सिर्फ एक मीटिंग नहीं होने वाली। असल में बता दें कि मिडिल ईस्ट में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और सभी की नजरें मिडिल ईस्ट पर हैं। एक तरफ अमेरिका दबाव बना रहा है, धमकियां दे रहा है। लेकिन दूसरी तरफ इजराइल और ईरान के बीच लगातार तनाव जो है वो बढ़ता जा रहा है। और तीसरा रुख हम देखें तो चीन इस पूरे संकट में अपना फायदा ठोक रहा है। ऐसे में ईरान उन देशों के साथ रणनीतिक संपर्क बढ़ाना चाहता है जो पश्चिमी दबाव से पूरी तरह नियंत्रित ना हो। भारत आज उसी भूमिका में दिखाई दे रहा है। अब यहां कहानी बेहद दिलचस्प हो जाती है। हाल के दिनों में बता दें कि पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच बैक चौनल

बातचीत की खबरें सामने आई थी। इस्लामाबाद चाहता था कि वो खुद को अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ के तौर पर पेश करें। लेकिन बातचीत आगे नहीं बढ़ी। फेल हो गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच कई बड़े मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। यानी पाकिस्तान पुल बनना चाहता था लेकिन भरोसा हासिल नहीं कर पाया फेल हो गया और तभी ईरान ने भारत के साथ हाई लेवल संपर्क बढ़ा दिया। यही वजह है कि पाकिस्तान को सबसे ज्यादा मिर्ची इस वक्त लगी हुई है। क्योंकि जो रोल इस्लामाबाद अपने लिए देख रहा था वो धीरे–धीरे दिल्ली की तरफ जाता हुआ दिखाई दे रहा है। यह बहुत अहम बात है क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईरान ने कई बार भारत से संपर्क बनाए। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाई लेवल बातचीत लगातार हुई। मार्च में हुई बातचीत में ईरान ने यह साफ कहा था कि ब्रिक्स जैसे मंच मौजूदा हालात में वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यानी ईरान सिर्फ सैन्य जवाब नहीं चाहता। वो कूटनीतिक सुरक्षा कवच भी इस वक्त इन हालातों में तलाश रहा है और उसे यह लगता है कि भारत इस पूरे संकट में बैलेंसिंग पावर बन सकता है। अब बैठक में किन–किन मुद्दों पर बातचीत होगी? पहली ब्रिक्स बनाम पश्चिमी दबाव। ईरान यह चाहता है कि ब्रिक्स सिर्फ व्यापारिक मंच ना रहे बल्कि पश्चिमी दबाव के खिलाफ एक रणनीतिक समूह बने।

अमेरिकी प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर भारी असर डाला है और अब तेहरान डॉलर सिस्टम के विकल्प तलाश रहा है और ब्रिक्स उसके लिए सबसे बड़ा प्लेटफार्म बनता जा रहा है। दूसरा चाबहर बनाम गदर। यहां भारतपाकि असली टक्कर छिपी हुई है। एक तरफ चीन पाकिस्तान का ग्वादर पोर्ट है और दूसरी तरफ भारत ईरान का चाबहार पोर्ट। चाबार भारत को पाकिस्तान को बाईपास करके अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच देता है। यानी अगर चाबभार मजबूत होता है तो पाकिस्तान का रणनीतिक महत्व बेहद कम हो सकता है। और यही बात इस्लामाबाद को सबसे ज्यादा खटकती है, परेशान करती है। तीसरा मुद्दा तेल, हॉर्मोज और समुद्री सुरक्षा। हॉर्मोज स्ट्रेट दुनिया की ऊर्जा सप्लाई की धड़कन है। अगर यहां युद्ध बढ़ता है तो पूरी दुनिया में तेल संकट पैदा हो सकता है। भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक है और इसीलिए ऊर्जा सुरक्षा इस बैठक का बड़ा एजेंडा हो सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल वाशिंगटन इस पूरे घटनाक्रम को इतनी गंभीरता से क्यों देख रहा है? क्यों अमेरिका में हलचल है? क्योंकि अमेरिका यह जानता है कि भारत अब सिर्फ क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा है। अगर भारत ईरान के साथ संवाद बनाए रखता है तो तेहरान पूरी तरह से अलग–थलग नहीं पड़ेगा। दूसरी बात अगर भविष्य में कोई बैक चौनल बातचीत होती है तो भारत एक अहम पावर ब्रोकर बन सकता है। यानी अमेरिका यह समझ रहा है कि दिल्ली की भूमिका अब सिर्फ दर्शक वाली नहीं रही।

आरसीबी के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले से पहले एमआई को मिली बड़ी राहत, कप्तान हार्दिक पांड्या की वापसी

कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच न खेल पाने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल 2026 के अहम मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (एमआई) टीम में शामिल हो गए हैं। इस खबर की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर हुई, जहां उन्होंने कप्तान हार्दिक की एक तस्वीर साझा की। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के पिछले मैच में सूर्यकुमार यादव ने हार्दिक की जगह टीम की कप्तानी की थी। मुंबई की एलएसजी पर शानदार जीत के बाद, मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेल्टन ने हार्दिक की चोट को लेकर जताई चिंताओं पर बात की। रिकेल्टन ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह कब तक वापसी करेंगे। मुझे आज दोपहर पता चला कि उनकी पीठ में ऐंठन है, इसलिए मुझे चोट की गंभीरता का पता नहीं है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहताय मुझे नहीं पता कि चोट कितनी गंभीर है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे यकीन है कि वह इस सप्ताह रायपुर जाने वाले हमारे दौरे में टीम के साथ होंगे। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूर्ण प्रशिक्षण सत्र निर्धारित है, और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को टीम के साथ नेट पर अभ्यास करेंगे। मौजूदा चौंपियन आरसीबी रविवार शाम को पांच बार की चौंपियन मुंबई इंडियंस की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ में एलएसजी से हारने के बाद बेंगलुरु स्थित फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में अपना चौथा मैच हारकर तीसरे स्थान पर खिसक गई है।

जब बढ़ता है Pressure, तब निखरता है मेरा खेल, आईपीएल की चुनौतियों पर खुलकर बोले क्रुणाल पंड्या

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मौजूदा चैंपियन के तौर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक चुनौतियों और मानसिकता के बारे में बात करते हुए कहा कि उच्चतम स्तर पर दबाव हमेशा बना रहता है, लेकिन इससे डरने की बजाय इसे स्वीकार करना चाहिए। जियोस्टार के सुपरस्टार्स कार्यक्रम में बोलते हुए, क्रुणाल ने खिताब जीतने के साथ आने वाली अपेक्षाओं पर विचार किया और उच्च दबाव वाली स्थितियों में सरल दृष्टिकोण बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

ऑलराउंडर ने कहा कि यह जानकर बहुत अच्छा लग रहा है कि हम मौजूदा चौंपियन हैं। जब आप उच्चतम स्तर पर खेलते हैं, तो दबाव हमेशा रहता है, चाहे आप मौजूदा चौंपियन हों या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी परिस्थितियाँ अक्सर उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में प्रेरित करती हैं और उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से मानना घ्ररहा है कि एक एथलीट के रूप में, मैं खुद को कठिन परिस्थितियों के लिए तैयार करने की कोशिश करता हूँ। जब भी अतिरिक्त दबाव होता है या प्रदर्शन करने की आवश्यकता होती है, तो यह मुझे व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। पांड्या ने इस बात पर जोर दिया कि अपेक्षाओं को संभालने में अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए जो टूर्नामेंट के चुनौतीपूर्ण चरणों में युवा साथियों का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि आखिरकार, कुछ भी नहीं बदलता। यह सिर्फ एक खेल है। आपको इसे उसी तरह से लेना चाहिए... लगभग एक दशक से इस स्तर पर खेलने के कारण, एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे पास अपने साथियों के साथ साझा करने के लिए कुछ अनुभव है। आरसीबी के ऑलराउंडर ने मैच की स्थिति या बाहरी दबाव चाहे जैसा भी हो, शांत रहने और बुनियादी बातों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर देते हुए अपनी बात समाप्त की। उन्होंने आगे कहा कि आखिरकार, बात यह है कि चाहे कोई भी स्थिति हो, चीजों को सरल रखना चाहिए। क्रुणाल ने इस बारे में भी बात की कि आईपीएल में आधुनिक बल्लेबाजी ने गेंदबाजों को लगातार नवाचार करने और अपने कौशल को बढ़ाने के लिए मजबूर किया है, जिसमें बाउंसर और यॉर्कर को रणनीतिक विकल्पों के रूप में उपयोग करना शामिल है।

मोहम्मद शमी की टिप्स से मिला विराट कोहली का विकेट? युवा पेसर प्रिंस यादव ने खोला राज

प्रिंस यादव ने कहा कि विराट कोहली को दो गेंदों पर शून्य पर आउट करना एक खास पल था, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत उपलब्धि से कहीं ज्यादा मायने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर जीत रखती है। आरसीबी के रन–चेज के दौरान, प्रिंस ने शुरुआती झटके में ही कोहली को सस्ते में आउट कर दिया, जिससे एलएसजी ने गुरुवार रात लखनऊ में खेले गए हाई–स्कोरिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में रोमांचक नौ रन की जीत दर्ज की। उस बहुमूल्य विकेट पर विचार करते हुए, युवा तेज गेंदबाज ने कहा कि मैच का परिणाम कहीं अधिक संतोषजनक था। प्रिंस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा लगा, लेकिन मेरी सबसे बड़ी खुशी मैच जीतने में है। अगर मैंने विकेट लिया होता और हम हार जाते, तो शायद इतना महत्व नहीं होता, लेकिन मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि मेरी टीम जीती। टीम के लिए मैच जीतना मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एलएसजी के गेंदबाजी कोच भरत अरुण और अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ अपनी बातचीत के बारे में भी बताया और कहा कि उनसे हुई चर्चाएं सकारात्मक और मददगार रहीं। प्रिंस ने कहा कि मेरी उनसे लगातार बातचीत होती रहती हैय दरअसल, मोहम्मद शमी भी वहीं हैं। तो सब कुछ ठीक चल रहा है, हमारी अच्छी और सकारात्मक चर्चाएँ हो रही हैं, और हमारा पूरा ध्यान सिर्फ इस बात पर है कि हमें क्या और कैसे करना है। प्रिंस ने शमी को नई गेंद से गेंदबाजी की बारीकियों को समझने में मदद करने और मैदान पर युवा गेंदबाजों का आत्मविश्वास बढ़ाने का श्रेय भी दिया। एलएसजी के तेज गेंदबाज ने आगे कहा कि मैंने उनसे नई गेंद के बारे में भी बहुत कुछ सीखा, लेकिन मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि जब भी कोई गेंदबाज गेंदबाजी करता है, तो वह मिड–ऑन या मिड–ऑफ पर खड़े होते हैं। इतने अनुभवी खिलाड़ी का साथ होना आपको एक अलग ही स्तर का आत्मविश्वास देता है। मोहम्मद शमी का अनुभव आपको आत्मविश्वास देता है।

अमेरिका ने ईरान के पोर्ट उड़ाए, बदले में तेहरान ने यूएस वॉरशिप्स को पहुंचाया नुकसान!

जहां अमेरिका और ईरान के बीच भले ही सीजफायर लागू हो लेकिन जंग की आग एक बार फिर से भड़कते हुए दिखाई दे रही है। 7 मई को होर्मुज स्ट्रीट में कुछ ऐसा हुआ जिसने जंग किया को फिर से भड़का दिया है। ईरान ने अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाया तो जवाब में डोनाल्ड ट्रंप की सेना ने ईरान की बंदरगाहों पर जोरदार स्ट्राइक कर दी है और ईरान में भारी बमबारी अमेरिका के द्वारा की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंट कॉम के मुताबिक उनके तीन गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस राफेल पराल्टा और यूएसएस मसोन अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान ईरान ने उकसाने वाली कारवाई करते हुए मिसाइलें, ड्रोन और छोटी नावें बेचकर हमला करने की कोशिश की। हालांकि अमेरिकी सेना ने इन सभी खतरों को हवा में ही नाकाम कर दिया और हमले के तुरंत बाद अमेरिका ने जवाबी कारवाई करते हुए अमेरिकी वायुसेना और नौसेना ने ईरान के काशम और बंदर अब्बास जैसे रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों में उन साइट्स को तबाह कर दिया गया है। जहां से ड्रोन और मिसाइल ल्च की जा रही थी

ईरान की ओर से। साथ ही में ईरान के कमांड सेंटर और खुफिया निगरानी केंद्रों को भी अमेरिका की ओर से भारी नुकसान पहुंचाया गया है। ईरान के मिनाप शहर और हॉर्मोसगान प्रांत में भी धमाकों की आवाज सुनाई दी है। इस पूरी कारवाही पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान भी सामने आया है। ट्रंप ने इसे एक लव टैप करार दिया है। यानी प्यार से दी गई थपकी। उन्होंने टूट सोशल पर लिखा कि ईरानी हमलों में अमेरिकी जहाज को कोई भी नुकसान नहीं हुआ है। जबकि ईरानी हमलावरों को भारी तबाही झेलनी पड़ी है। ट्रंप ने तंज कसते हुए कहा कि ईरानी ड्रोन हवा में वैसे ही गिर रहे थे जैसे कोई तितली अपने कब्र की ओर गिर रही हो। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल जो उठकर आ रहा है वो यही है कि क्या अमेरिका और ईरान के बीच का सीज फायर इस हमले के बाद खत्म हो गया है? तो इसका जवाब भी राष्ट्रपति ट्रंप ने ही दिया है। जब मीडिया ने ट्रंप से सवाल पूछा कि क्या अब भी सीज फायर बरकरार है? तो ट्रंप ने स्पष्ट लहजे में कहा अभी सीज फायर है लेकिन उन्होंने हमारे साथ खिलवाड़ किया और हमने उन्हें उड़ा दिया। अगर सीज फायर खत्म हुआ तो आपको पूछना नहीं पड़ेगा। बस ईरान से निकलता हुआ एक बड़ा आग का गोला दिखाई देगा। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वो जल्द से जल्द समझौते पर दस्तखत कर ले। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, तेहरान ने दावा किया है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन अमेरिकी युद्धपोतों पर जवाबी हमला किया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने खुलासा किया कि ईरान द्वारा किए गए इस हमले में जहाज–रोधी बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज मिसाइलें और आत्मघाती ड्रोन शामिल थे। यह हमला ईरान के जास्क में एक ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिका द्वारा किए गए जवाबी हमले का हिस्सा था। ईरान ने दावा किया कि यह हमला युद्धविराम के उल्लंघन के परिणामस्वरूप उकसाया गया था और इससे अमेरिकी सेना और अमेरिकी युद्धपोतों को भारी नुकसान पहुंचा है। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने बाद में पुष्टि की कि यूएसएस ट्रक्सटन, यूएसएस राफेल पेराल्टा और यूएसएस मेसन को ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों द्वारा निशाना बनाया गया था, लेकिन अमेरिकी युद्धपोत ने सफलतापूर्वक जवाबी हमला किया और आईआरजीसी के दावे के विपरीत अमेरिकी जहाजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

कार्यालय : नगर पालिका परिषद-सिद्धार्थनगर, जनपद-सिद्धार्थनगर

पार्क, खेल के मैदानों और खुली एवं खाली जगहों की सूची

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उ०प्र० पार्क, खेल के मैदान और खुली जगहें (संरक्षण और रेगुलेशन एक्ट 1975 तथा उ०प्र० पार्क, खेल का मैदान और खुली एवं खाली जगह (विनियमन और नियंत्रण) नियमावली 2005 से आच्छादित, नियम 4 के अधीन नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर द्वारा निम्नवत सूची प्रकाशित की जाती है, यदि उक्त सूची पर किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति लिखित रूप से प्रकाशन से 03 माह के अन्दर कार्यालय नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को प्रेषित कर सकता है। निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त कोई आपत्ति ग्राहय नही होगी।

अनन्तिम सूची (प्रपत्र–1)

क्र. सं.	नाम/गाटा संख्या	वार्ड का नाम तथा संख्या	अवस्थिति	क्षेत्रफल/आयकर	विस्तृत अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	अम्बेडकरनगर	सिविल लाइन वार्ड नं0. 23	पार्क	1600 वर्गमीटर	मोहल्ला–सिविल लाईन
	भगत सिंह पार्क	भगत सिंह नगर वार्ड नं. 22	पार्क	375 वर्गमीटर	मोहल्ला–भगत सिंह नगर (पुरानी नौगढ़)
	ब्लॉक के पास	तिलक नगर (पकड़ी) वार्ड नं. 04	पार्क	2700 वर्गमीटर	मोहल्ला–तिलक नगर (पकड़)

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक : 238(2)/प.पा.परि.सि.न./2025–26 । दिनांक : 07.05.2026

बहराइच में अतिक्रमणकारियों पर कड़ा एक्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शहर में बढ़ते अवैध अतिक्रमण और उससे उत्पन्न जाम की समस्या को लेकर नगर पालिका प्रशासन अब सख्त रुख में नजर आ रहा है। नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी (ईओ) प्रमिता सिंह के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज कर दिया गया है। शहर की प्रमुख सड़कों पर लगातार लग रहे जाम, विशेषकर मेडिकल कॉलेज जाने वाले मार्ग पर एम्बुलेंस के फंसने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की है। अभियान के दौरान अवैध अतिक्रमण करने वालों को मौके पर ही नियमों की जानकारी दी गई और चेतावनी भी जारी की गई। निरीक्षण के दौरान लेखपाल को मौके पर बुलाकर

शहर का नक्शा मंगवाया गया, जिससे अतिक्रमण की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। बार–बार अतिक्रमण की पुनरावृत्ति को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने इसे स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए ठोस रणनीति बनाने के संकेत दिए हैं। इस अभियान में लोक निर्माण विभाग (PWD) के अधिकारियों ने भी भागीदारी निभाते हुए अपनी ओर से "डेंजर लाइन" चिन्हित की, जिससे स्पष्ट किया जा सके कि सड़क सीमा के भीतर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को लेकर शहरवासियों में संतोष देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि यदि यह कार्रवाई लगातार जारी रही, तो बहराइच को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

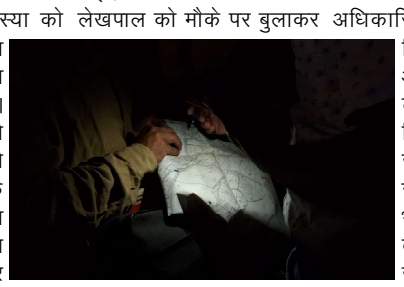

बहराइच में विश्व रेडक्रॉस दिवस पर सेवा और मानवता का संदेश, 25 टीबी ग्रसित बच्चों को लिया गया गोद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। मानवता, सेवा और बंधुत्व के संदेश के साथ गुरुवार को जिले में विश्व रेडक्रॉस दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'यूनाइटेड इन ह्यूमैनिटी' यानी "मानवता के लिए एकजुट" रही, जिसका उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज में सेवा व भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित करते हुए कहा कि टीबी जैसी बीमारी से लड़ाई केवल दवाओं से नहीं, बल्कि

समाज के सहयोग और संतुलित पोषण से भी जीती जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान 25 टीबी ग्रसित बच्चों को गोद लिया गया, जिनमें से दो बच्चों के उपचार और पोषण का जिम्मा स्वयं जिलाधिकारी ने उठाया। सोसायटी के सचिव एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने मेडिकल कॉलेज में आयोजित रक्तदान शिविर में स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। इस दौरान प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य पुत्तीलाल बाजपेयी ने रेडक्रॉस के गौरवशाली इतिहास और सेवाभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संस्था आज भी आपदा राहत और मानव सेवा का सशक्त माध्यम बनी हुई है। कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों को फल वितरित किए गए तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की गई। साथ ही अभिभावकों को पोषण, स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर संगोष्ठी और स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर टीबी एवं गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग की गई। लोगों को संतुलित आहार, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर सीएमएस डॉ. एम. एम. त्रिपाठी, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एम.एल. वर्मा, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, अस्पताल प्रबंधक मो. रिजवान, शरद श्रीवास्तव, स्टाफ नर्स सीमा सहित कई अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी और सीफार संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण, बाढ़ तैयारियों की समीक्षा और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर आयुक्त सख्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। देवीपाटन मंडल की आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने श्रावस्ती जनपद के दौरे के दौरान जनसुनवाई, विभागीय समीक्षा, निर्माण कार्यों के निरीक्षण तथा "संध्या संवाद

कार्यक्रम" में प्रतिभाग कर आमजन से सीधे संवाद किया।इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्थाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति एवं गुणवत्ता का गहन निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आयुक्त ने जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के साथ आमजन की समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण,पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए,ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।जनसुनवाई के दौरान आयुक्त ने संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा भी की।उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी, राहत सामग्री की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों के समन्वय की जानकारी प्राप्त की।आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु सभी व्यवस्थाएं पूर्व से ही सक्रिय एवं सुदृढ़ रखी जाएं। आयुक्त ने सभी विभागों के कर्मचारियों एवं पेंशनरों (वरिष्ठ नागरिकों) की विभागीय एवं पेंशन संबंधी समस्याओं की भी सुनवाई की। कई पेंशनधारकों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा जीपीएफ, पेंशन एवं अन्य देयकों के भुगतान लंबित होने की शिकायत प्रस्तुत की गई। इस पर आयुक्त ने संबंधित विभागों के कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सभी लंबित देय भुगतान प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र सुनिश्चित किए जाएं।

आयुक्त ने सीता द्वार मंदिर पहुंचकर दर्शन किया तथा मंदिर की पौराणिक एवं धार्मिक मान्यताओं के विषय मे जाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। देवीपाटन की मण्डलायुक्त ने सुनवाई के

उपरान्त कई जगहों का निरीक्षण किया।इसके उपरांत आयुक्त ने टेण्डवा महन्थ में आयोजित "संध्या संवाद कार्यक्रम" में प्रतिभाग कर ग्रामीणों एवं आमजन से सीधे संवाद किया।उन्होंने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा योजनाओं की जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई गई।निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान आयुक्त ने जनपद में विभिन्न निर्माणाधीन एवं नवनिर्मित परियोजनाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने राजस्व विभाग के कर्मियों के लिए बनाए गए आवासों का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने श्रावस्ती में संचालित पर्यटन विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की परख की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्ट्रीट ब्यूटीफिकेशन, बुद्ध वनम पार्क, डोरमेट्री, गेट पिलर, पार्किंग तथा इंटरप्रिटेशन सेंटर सहित विभिन्न परियोजनाओं का अवलोकन किया।आयुक्त ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा अतिरिक्त मैनपॉवर लगाकर सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास से क्षेत्र की पहचान मजबूत होगी तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, इसलिए सभी कार्य गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ पूरे किए जाएं।आयुक्त ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कैसरगंज बार एसोसिएशन ने लिया बड़ा निर्णय, वकीलों का विरोध प्रदर्शन घोषित

दैनिक बुद्ध का संदेश

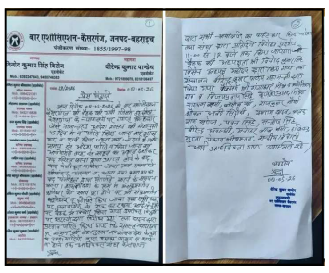

बहराइच/कैसरगंज। बार एसोसिएशन कैसरगंज की एक महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 08 मई 2026 को आयोजित

की गई, जिसमें अधिवक्ताओं ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए। बैठक में प्रस्ताव पारित कर शासन–प्रशासन से अधिवक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की गई। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो अधिवक्ता आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बार एसोसिएशन ने घोषणा की कि अधिवक्ता गण न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे तथा विरोध स्वरूप प्रदर्शन करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, विरोध प्रदर्शन सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता बार अध्यक्ष ने की, जबकि संचालन महामंत्री द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे और सभी ने एकमत होकर प्रस्ताव का समर्थन किया। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

उपनिरीक्षक आनन्द कुमार सिंह लाइन हाजिर, तत्काल पुलिस लाइन भेजने के आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए थाना खैरीघाट में तैनात उपनिरीक्षक आनन्द कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक विजयजीत श्रीवास्तव द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित उपनिरीक्षक को तत्काल पुलिस लाइन, बहराइच में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश

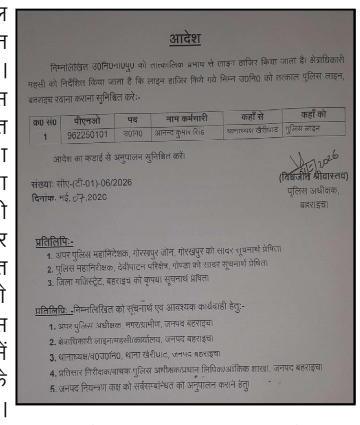

निम्नलिखित उ0नि0ना0पु0 को तात्कालिक प्रभाव से लाइन हाजिर किया जाता है। क्षेत्राधिकारी महसी को निर्देशित किया जाता है कि लाइन हाजिर किये गये निम्न उ0नि0 को तत्काल पुलिस लाइन, बहराइच रवाना कराना सुनिश्चित करें:-

क्र0 सं0	पीएनओ	पद	नाम कर्मचारी	कहाँ से	कहाँ को
1	962250101	उ0नि0	आनन्द कुमार सिंह	थानाध्यक्ष खैरीघाट	पुलिस लाइन

आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

संख्याः सीए-(टी-01)-06/2026
दिनांकः मई, 07,2026

(विश्वजीत श्रीवास्तव)
पुलिस अधीक्षक,
बहराइच।

प्रतिलिपिः-
1. अपर पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन, गोरखपुर को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन परिक्षेत्र, गोण्डा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
3. जिला मजिस्ट्रेट, बहराइच को कृपया सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपिः -निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतुः-
1. अपर पुलिस अधीक्षक, नगर/ग्रामीण, जनपद बहराइच।
2. क्षेत्राधिकारी लाइन/महसी/कार्यालय, जनपद बहराइच।
3. थानाध्यक्ष/व0उ0नि0, थाना खैरीघाट, जनपद बहराइच।
4. प्रतिसार निरीक्षक/वाचक पुलिस अधीक्षक/प्रधान लिपिक/आंकिक शाखा, जनपद बहराइच।
5. जनपद नियन्त्रण कक्ष को सर्वसम्बन्धित को अनुपालन कराने हेतु।

साथ ही क्षेत्राधिकारी महसी को निर्देशित किया गया है कि वे आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए कर्मचारी को शीघ्र पुलिस लाइन रवाना कराएं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इस कार्रवाई की सूचना उच्च अधिकारियों सहित जिलाधिकारी को भी प्रेषित कर दी गई है। हालांकि, उपनिरीक्षक को लाइन हाजिर किए जाने के पीछे के कारणों का आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसे प्रशासनिक या अनुशासनात्मक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

अलीदापुर ग्राम चौपाल में आवास व बकाया मनरेगा भुगतान का उठा मुद्दा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत अलीदापुर में गांव की समस्या, गांव में समाधान के

बैनर तले ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान पंकज चौबे ने की। ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, व्यक्तिगत शौचालय तथा विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (जी–राम–जी) ग्रामीण योजना के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत की भांति ग्राम पंचायतों में भी पात्र लोगों को आवास योजना का लाभ मिलना चाहिए, क्योंकि गांवों में इसकी अधिक आवश्यकता है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि विगत पांच वर्षों में ग्राम पंचायत में एक भी आवास नहीं मिला है। उन्होंने मनरेगा के बकाया भुगतान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को ग्राम प्रधानों का भुगतान शीघ्र कर देना चाहिए, ताकि जिन फर्मों व दुकानदारों ने ग्राम पंचायत को सामग्री उपलब्ध कराई है, उन्हें धनराशि दी जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधान गांव और समाज का जिम्मेदार व्यक्ति होता है तथा भुगतान लंबित होने से उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव निशा श्रीवास्तव ने ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जन्म एवं मृत्यु की सूचना 21 दिन के भीतर ग्राम प्रधान या सचिव को देने से लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी। आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं की जानकारी देते हुए स्वरोजगार के लिए मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार एवं मसाला पाउडर जैसे गृह उद्योगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी।महिला विकास संस्थान से ब्लॉक ऑफिसर अमन शर्मा ने बाल विवाह के दुष्परिणामों को लेकर ग्रामीणों को जागरूक करते हुए शपथ दिलाई। साथ ही साइबर अपराध से बचाव को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। जिला सलाहकार जय प्रकाश ने दिसंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश को बालश्रम मुक्त बनाने के उद्देश्य से लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और बाल मजदूरी रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान बाल अधिकारों एवं सुकन्या समृद्धि योजना के लाभों की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं की जानकारी देते हुए श्रमिकों को पंजीकरण, दुर्घटना सहायता, मातृत्व लाभ, छात्रवृत्ति, विवाह अनुदान, पेंशन एवं चिकित्सा सहायता जैसी सुविधाओं के बारे में बताया गया। साथ ही ग्रामीणों को बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक करते हुए शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान सीएचओ खुशबू, एएनएम हिमानी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री अनीता देवी, सुधा मिश्रा, मीरा श्रीवास्तव, बिन्दु गुप्ता, आशा ममता देवी, सुभावती सहित गाँव के अबुबकर, समीउल्लाह, राम सबोर, मोहम्मद इस्लाम, तबारक अली, ममता, गंगाराम, राम सवारे, लालचंद, लखीचंद, सफी मोहम्मद, निशा, राबिया खातून आदि मौजूद रहे।

केक काटकर मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मालवीय रोड स्थित बादशाही अखाडा पर रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह के संयोजन में केक काटकर खुशियों को साझा को साझा किया गया। विश्व शांति, सेवा के क्षेत्र में रेड क्रास के महत्व पर चर्चा की गई।

इस परम्परा को और समृद्ध बनाये जाने पर रेडक्रास सदस्यों ने जोर दिया। रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह ने बताया कि जीन हेनरी ड्यूनेंट स्विस मानवतावादी, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता थे, हेनरी ड्यूनेंट का जन्म 8 मई 1828 को स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में हुआ था, उन्हें 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। उन्होंने 1863 में इंटरनेशनल ऑफ द रेड क्रॉस की स्थापना की थी। रेडक्रास के वरिष्ठ सदस्य डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि रेडक्रास हमें सेवा और मानवता की रक्षा के क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेन्द्र सिंह, लाडले हैदर रिज्वी, शाशंक राजगढ़िया, सन्तोष कुमार जायसवाल, मनोज यादव , गुरुचरन सिंह चावला, शोयब रहमान, विनय मौर्या,एस के दुबे,अतीत पाण्डेय, दिवेश तिवारी, अभिषेक गुप्ता, सचिन श्रीवास्तव,विमल पान्डेय,काजी फरजान राकेश कुमार सौरभ यादव, ईश्वर चंद्र आदि उपस्थित रहे।

तमिलनाडु से लौटी युवती ने प्रेमी पर कराया मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। लोटन कोतवाली क्षेत्र की एक युवती ने अपने प्रेमी के खिलाफ धोखा देने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार बरवां गांव निवासी एक युवक तमिलनाडु की एक कंपनी में काम करता था। वहीं उसकी मुलाकात बिहार निवासी युवती से हुई। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और धीरे–धीरे प्रेम संबंध हो गया।आरोप है कि युवक युवती को बिना शादी किए अपने साथ रखने लगा। कुछ समय तक दोनों साथ रहे, लेकिन बाद में युवक बिना जानकारी दिए अपने गांव लौट आया। युवती लगातार उससे संपर्क करने की कोशिश करती रही, लेकिन युवक ने फोन उठाना बंद कर दिया।इसके बाद युवती अपने परिजनों के साथ करीब 1500 किलोमीटर का सफर तय कर लोटन पहुंची। युवती का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फल मंडी सलारगंज में दुकानों की नीलामी, 40 लाख से अधिक तक पहुँची बोली

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के फल मंडी सलारगंज स्थित नई निर्मित दुकानों की नीलामी कलेक्ट्रेट परिसर के सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। नीलामी प्रक्रिया में कुल 16 दुकानों के लिए अलग–अलग बोली लगाई गई, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। नीलामी के दौरान एक दुकान की सर्वाधिक बोली 40 लाख 20 हजार रुपये तक पहुंच गई, जो इस प्रक्रिया का मुख्य आकर्षण रही। प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के बीच कई दुकानों की ऊंची कीमत पर बोली लगने से मंडी की व्यावसायिक संभावनाओं का अंदाजा लगाया जा रहा है। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार, मंडी सचिव धनंजय सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया।

माध्यमिक शिक्षक संघ के महाधिवेशन में शिक्षकों की एकता और संघर्ष पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई) का 63वां वार्षिक महाधिवेशन शुक्रवार को विभिन्न शिक्षाविदों और शिक्षक नेताओं के संबोधन के साथ संपन्न हो गया। कार्यक्रम में शिक्षा और शिक्षकों के अधिकारों, संगठन की मजबूती तथा भविष्य की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि प्रो. अनिल राय ने कहा कि माध्यमिक शिक्षक संघ का इतिहास संघर्षों और उपलब्धियों से भरा हुआ है। उन्होंने संगठन के संस्थापक नेताओं स्वर्गीय आर. एन. ठकुराई और मान्धाता सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि संगठन की उपादेयता आज भी कायम है। उन्होंने सभी शिक्षक संगठनों की एकता पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा और शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. चन्द्र भूषण अंकुर एवं प्रो. असीम सत्यदेव ने कहा कि शिक्षा ही मनुष्य को सही मायनों में इंसान बनाती है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के शिक्षकों की एकजुटता से ही अशिक्षा, असमानता और गरीबी जैसी समस्याओं से मुकाबला किया जा सकता है। संघ के अध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश नायक, प्रदेश महामंत्री विनोद कुमार यादव तथा वरिष्ठ प्रदेश मंत्री राम बहाल त्रिपाठी ने शिक्षकों की समस्याओं और संगठन की आगामी रणनीति पर अपने विचार रखे। प्रधानाचार्य परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री शैलेन्द्र दत्त शुक्ल ने शिक्षकों के संघर्ष में सहयोग का आश्वासन दिया। महाधिवेशन में देवेन्द्र मणि, मेजर गोरख राय, डॉ. दीपक पाण्डेय, डॉ. गिरिजेश पाण्डेय, डॉ. हरे राम मिश्र, वाचस्पति शुक्ल, राज किशोर यादव, विवेक वीर सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में किया गया परिवर्तन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया है कि माह मई 2026 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। ध्रुव गुप्ता अपर आयुक्त के उपर्युक्त निर्देश के अनुपालन में जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को संसूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 योजनान्तर्गत माह मई 2026 के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति कार्ड वर्तमान में गेहूं की मात्रा 10 किग्रा, चावल का मात्रा 25 किग्रा0 है। इसी प्रकार से पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति यूनिट गेहूँ वर्तमान में 01 किग्रा0 तथा चावल का मात्रा वर्तमान में मात्रा 04 किग्रा0 निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि .ष्टिगत जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्रता सूची में सम्मिलित समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्ड धारको को सूचित किया जाता है कि माह फरवरी 2026 हेतु अन्त्योदय योजना के कार्डधारक प्रति कार्ड 35 किग्रा0 चावल एवं 10 किग्रा0 गेहूँ तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारक प्रति यूनिट 04 किग्रा0 चावल एवं 01 किग्रा0 गेहूँ संबंधित उचित दर की दुकान से निःशुल्क प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उक्त निःशुल्क वितरण में हो रही किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में जिला पूर्ति कार्यालय अथवा संबंधित उपजिलाधिकारी कार्यालय या विभागीय टोल फ्री नम्बर 1800–1800–150 पर की जा सकती है। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वह माह मई 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण करना सुनिश्चित करें। वितरण में प्राप्त किसी भी प्रकार की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

स्व–गणना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, में एनएसएस, एनसीसी और समस्त विद्यार्थियों के लिए "स्व–गणना" विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं को वीडियो प्रस्तुति एवं वेबसाइट के माध्यम से स्व–गणना की प्रक्रिया, उसके महत्व तथा ऑनलाइन पंजीकरण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि स्व–गणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी डिजिटल रूप से सुरक्षित एवं सरल तरीके से दर्ज कर सकते हैं। वीडियो प्रदर्शन के जरिए विद्यार्थियों को चरणबद्ध प्रक्रिया समझाई गई तथा वेबसाइट पर जाकर वास्तविक डेमो भी दिखाया गया वही डॉ संतोष कुमार सैनी ने कहा कि डिजिटल भारत की दिशा में स्व–गणना एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे पारदर्शिता एवं समय की बचत सुनिश्चित होगी। विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रश्न पूछे और ऑनलाइन प्रक्रिया को समझा। कार्यक्रम के अंत में डॉ सचिन कुमार ने सभी छात्र–छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं भी स्व–गणना प्रक्रिया में भाग लें तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। इस अवसर पर प्रवेश एवं परीक्षा प्रभारी डॉ उपेन्द्र कुमार, डॉ विभा पांडेय, डॉ बीना यादव कार्यक्रम अधिकारी डॉ आलोक यादव, डॉ संघमित्रा, अंजलि मिश्रा और राजेश, सूरज, अंकित, कोमल एवं एनएसएस के स्वयंसेवी प्रियंका, सुधा, वर्षा, अर्चना, अंकिता, अभिषेक, नीरज, सिमपी, रिया, आकांक्षा, मनीषा इत्यादि भारी संख्या में एनएसएस के स्वयंसेवी मौजूद रहे स

बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत अब स्मार्ट प्रीपेड मीटर होंगे पोस्टपेड

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आर.डी.एस.एस. त्वै योजना के तहत लगे सभी स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड मोड में बदलने का आदेश जारी किया है। प्रबन्ध निदेशक उ.प्र. पाकालि0 के निर्देशानुसार अब उपभोक्ताओं को पहले बिजली इस्तेमाल करने और बाद में भुगतान करने की सुविधा मिलेगी। प्रीपेड से पोस्टपेड का बदलाव मुख्यालय स्तर से त्डै बैकएंड के जरिए किया जाएगा, जिसके लिए उपभोक्ताओं को कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। डिजिटल बिलिंग माह मई–2026 का बिल जून में पोस्टपेड पद्धति से जारी होगा। उपभोक्ताओं को उनके बिल एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से सीधे मोबाइल पर प्राप्त होंगे। निश्चित समय सीमारू विभाग द्वारा हर महीने की 10 तारीख तक बिल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। यदि नेटवर्क समस्या के कारण ऑटोमैटिक रीडिंग नहीं आती है, तो कर्मचारी घर आकर मैनुअल रीडिंग लेंगे। नए कनेक्शन अब से सभी नए बिजली कनेक्शन केवल स्मार्ट पोस्टपेड मोड में ही जारी किए जाएंगे। बकाया भुगतान और किस्तों की सुविधारू उपभोक्ताओं को आर्थिक बोझ से बचाने के लिए विभाग ने किस्तों की विशेष व्यवस्था की है घरेलू उपभोक्ता 30 अप्रैल 2026 तक के पुराने बकाये को 10 आसान किस्तों में जमा कर सकेंगे। सिक्युरिटी राशि पूर्व में जमा की गई सिक्युरिटी धनराशि को जून से अगले 4 महीनों के बिलों में वापस समायोजित किया जाएगा। नियमों के अनुसार, बिल जारी होने के बाद भुगतान के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। उपभोक्ताओं की सहायता और शिकायतों के समाधान के लिए विभाग द्वारा 'विशेष कैंपों' का आयोजन भी किया जाएगा।

सूखे की आशंका पर प्रशासन सख्त, विभागों को दिए गए आवश्यक निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में आज कलेक्ट्रेट सभागार में संभावित सूखे की स्थिति से प्रभावीढंग से निपटने एवं सूखा राहत कार्य योजना तैयार किए जाने के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक के दौरान कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सूखा राहत योजना से जुड़े सभी विभाग अपनी तैयारियां समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण कर लें, जिससे जनपद में किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल राहत उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित किया कि तालाबों, पोखरों एवं अन्य जल स्रोतों में पर्याप्त मात्रा में पानी भरने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी समय रहते तैयार कर ली जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी एवं दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए। चिकित्सा केंद्रों पर आवश्यक दवाओं, ओआरएस, पेयजल जांच किट एवं अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकें। बैठक में सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि नहरों के संचालन के दौरान जल आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रखी जाए तथा आवश्यकता अनुसार तालाबों एवं जलाशयों में पानी पहुंचाने की कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे किसानों को सिंचाई संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा गर्मी के मौसम में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। बैठक में सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइक ट्रक में घुसी, पिकअप खाई में गिरी,दो लोग घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के दो अलग–अलग घटनाओं में दो लोग घायल हो गये घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बभनी में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर 2.30 बजे के लगभग एक बाइक सवार सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गया जिससे बाइक सवार संजय गुप्ता उम्र 28 वर्ष पुत्र रामखेलावन गुप्ता निवासी दरनखाड़ से चपकी अपने घर जा रहा था कि बभनी वन विभाग के चेक पोस्ट के पास खड़ी ट्रक में पीछे से टकरा गया जिससे ट्रक में बाइक फंस गई और बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिससे पुलिस और एम्बुलेंस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी भिजवाया जहां उसका इलाज चल रहा है। दूसरी घटना जौराही निवासी अपनी पिकअप से जा रहा था पिकअप पोखरा के पास अनियंत्रित हो कर खाई में गिर गई। जिससे पिकअप चालक राजाराम पुत्र रामनाथ उम्र 40 वर्ष निवासी जौराही खोतोमहुआ घायल हो गया जिसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में चल रहा है।

स्वगणना के लिये जनपद के सम्मानित नागरिकगणों से जिलाधिकारी ने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ जनपद के समस्त सम्मानित नागरिकगणों से अपील करता हूं कि जनपद के सभी सम्मानितगण स्व–गणना पूर्ण करें तथा अपने परिवार एवं परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करें। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अर्थात मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का संचालन उत्तर प्रदेश में 22 मई, 2026 से 20 जून, 2026 तक निर्धारित है। मकान सूचीकरण का कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व आमजन के लिए 15 दिवस की अवधि हेतु स्व–गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जो की 07 मई से प्रारम्भ होकर 21 मई तक होगी। स्व–गणना एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल है, जिसके माध्यम से परिवार स्वयं ही जनगणना पोर्टल **https://se-census-gov-in** पर अपनी सूचनाएं दर्ज कर सकते हैं। स्व–गणना अवधि के दौरान विभिन्न वर्गों तक लक्षित पहुंच सुनिश्चित करने हेतु दिवस वार विषयगत रणनीति भी निर्धारित की गई है स्व–गणना पोर्टल **https://se-census-gov-in** का उपयोग कर अपना विवरण दर्ज करें। अपील है कि जनगणना की वेबसाइट पर जाकर सभी नागरिक गण अपनी सूचना भर दें इससे फायदा यह होगा कि जब जनगणना की टीम सत्यापन के लिए आपके पास जाएगी तो काफी सुलभता होगी। स्वगणना के कार्य मे नागरिकगण सभी प्रशासनिक अधिकारियों का भरपूर सहयोग करें और स्वगणना के इस पुनीत कार्य में बढ़–चढ़कर हिस्सा लें।

मानव बंधुत्व थीम पर रेड क्रॉस दिवस सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रेड क्रॉस दिवस पर, रेड क्रॉस के संस्थापक सर जीन हेनरी ड्यूनांट के जन्म दिवस के अवसर पर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में "मानव बंधुत्व" थीम पर विशेष रेड क्रॉस दिवस संपन्न हुआ। इस अवसर पर साखा के सदस्यों द्वारा गोद लिए गए 35 टीबी रोगियों एवं 5 कुष्ठ रोगियों को पोषक पोटली, पौधे व राहत सामग्री देकर दवा का कोर्स पूरा करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में, रेड क्रॉस सदस्य दिलीप कुमार दूबे द्वारा रेनूकूट, ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड में रक्तदान शिविर आयोजित कर 25 यूनिट रक्त राजकीय मेडिकल कालेज को उपलब्ध कराया।शाखा के चेयरमैन डॉ. आर. एस. सिंह ने जानकारी दी कि जल्द ही रेड क्रॉस भवन का निर्माण कराया जाएगा जिससे और अधिक जरूरतमंदों को रेड क्रॉस के मानवीय कार्यों को पहुँचाया जा सकेगा । इस कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन विमल अग्रवाल, सचिव डॉ. टी. पी. सिंह, कोषाध्यक्ष किशोरी सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जी. एस. यादव व उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी व सरकारी सचिव डॉ. सुमन कुमार उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर के चपेट में आने से युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के बरौधी गांव में बृहस्पतिवार रात ट्रैक्टर की चपेट में आने से साईकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक सवार 2 लोग घायल हो गए। शुक्रवार सुबह पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के डोरिहार गांव निवासी राजेश 27 वर्ष पुत्र लल्लन कोल बृहस्पतिवार देर शाम शाम हरि कीर्तन कार्यक्रम में वीर खुर्द गांव गया था।रात में वह साईकिल से घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान बरौधी गांव में एक ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आ गया। ट्रैक्टर चालक भागने लगा तो थोड़ी दूर आगे मुंगेहरी गांव निवासी रामधनी विश्वकर्मा 49 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रमाशंकर विश्वकर्मा अपने मामा सोनहटी गांव निवासी गुलशन 60 वर्ष पुत्र पाखंडी भी ट्रैक्टर ट्रॉली के धक्के से गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों किसी शादी समारोह में जा रहे थे।मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस द्वारा सभी को घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने राजेश को मृत घोषित कर दिया। मृतक राजेश को दो मासूम बेटे हैं। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महाराणा प्रताप जयंती एवं सम्मान समारोह 09 मई को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष .ष्ण मुरारी गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 9 मई दिन शनिवार को सायं 4 बजें से जनपद मुख्यालय स्थित नगर पालिका परिषद के सभागार में शंख सेवा न्यास सोनभद्र द्वारा महाराणा प्रताप जयंती मनाई जायेगी। उन्होंने बताया कि उक्त अवसर पर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा नगर पालिका परिषद के सभी मनोनीत सभासदों का सम्मान समारोह कार्यक्रम भी आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष रुबी प्रसाद एवं मुख्यअतिथि वरिष्ठ विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता गंगासागर दूबें मिर्जापुर होंगे।

घर तोड़ो सड़क बनाओ योजना वापस लो–भाअसेसं

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। भारतीय अहिंसा सेवा संस्थान के अध्यक्ष विजय शंकर यादव ने आम जनता के घरों और मकानों की सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल किया है।उन्होंने हाथ में पोस्टर लेकर शुक्रवार को सुभाष चौक पर जनहित में आम जनों के घरों के सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री और देश के सांसदों को पत्र लिखकर नागरिकों के आशियाने की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग किया है। लिखे पत्र का उल्लेख्य करते हुए कहा कि एक कल्याणकारी सरकार का प्राथमिक कर्तव्य अपने नागरिकों को सुरक्षा और स्थायित्व प्रदान करना होता है। सकारात्मक योजनाओं की आवश्यकता का तर्क देते हुए कहा कि संवेदनशील सरकारें घर बनाओ और घर सजाओ जैसी योजनाएं चलाती हैं,ताकि आम आदमी का जीवन स्तर सुधर सके। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि घर तोड़ो सड़क बनाओ जैसी नीतियों पर विचार करने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब किसी का घर टूटता है, तो उसका सब कुछ बर्बाद हो जाता है।एक मकान केवल ईंट–पत्थर का ढांचा नहीं,बल्कि एक परिवार का सपना और सुरक्षा कवच होता है। उन्होंने केंद्र सरकार और जनप्रतिनिधियों से अपील किया कि विकास के नाम पर आम जनों के मकानों को उजाड़ने की प्रक्रिया पर रोक लगायी जाए और जनता के घरों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाए।विकास की राह किसी के घर के मलबे से होकर नहीं गुजरनी चाहिए। जनता के मकानों की सुरक्षा ही लोकतंत्र की असली मजबूती है।वर्तमान समय में देश प्रदेश के शहरी और ग्रामीण विकास की नीतियों के बीच संतुलन बनाने की दिशा में यह मांग है।संगठन का यह मानना है कि बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है,लेकिन वह आम आदमी की छत छीनकर नहीं होना चाहिए।

जहरीले जंतु के काटने से 59 वर्षीय वृद्ध की हुई मौत, परिजनों मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बघाडू गांव के धनकुटवा टोले में शुक्रवार की अलसुबह लगभग 3रू00 बजे भोर में घर से सौच के लिए निकले राम केवल 59 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राम बदन निवासी बघाडू को सौच करने के दौरान पैर में किसी जहरीले जंतु ने काट लिया,जिससे उन्हें घबराहट होने लगी, उसके बाद वह अपने घर पर पहुंचकर जोर जोर से चीखने चिल्लाने लगे कि किसी जहरीले जन्तु ने पैर में काट लिया है,इतना कहते हुए वह बेहोश हो गए और उसके मुंह से झाग निकलने लगा,जिसे देख परिजन शोर मचाने लगे, और थोड़ी देर बाद वृद्ध की मौत हो गई, उन्हें अस्पताल आने का मौका भी नहीं मिला, परिजनों ने ग्राम प्रधान अब्दुल्लाह अंसारी को सूचना दिया सूचना पाकर पहुंचे प्रधान ने अमवार चौकी पुलिस को घटना की जानकारी दी, घटना की जानकारी होते ही अमवार चौकी पुलिस इंचार्ज जयशंकर राय ने मौके पर पहुंच शव का पंचनामा कर पीएम हेतु मोर्चरी भेजा एवं अग्रिम कार्रवाई में जुट गए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

कार्यालय : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर

(विज्ञप्ति)

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ, पत्रांकः–के०जी०बी०वी०/11308/2022–23 दिनांक 14.02.2023 एवं शासनादेश संख्या–2805 / 68–5–2023–02/2020 बेसिक शिक्षा अनुभाग–5 लखनऊ दिनांक 01 फरवरी, 2023 के कम में जनपद सिद्धार्थनगर में संचालित 13 कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) हेतु शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों के रिक्त पदों के सापेक्ष नितान्त अस्थायी रूप से संविदा के आधार पर कार्य करने के इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं, जो विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या–13553/2022 स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनाम सरोज मौर्या व अन्य मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित अंतिम आदेश के अधीन होगी। आवेदन पत्र केवल पंजीकृत डाक से कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर में दिनांक 23 मई, 2026 की सायं 05:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगें। कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों में रिक्तियों एवं आरक्षित पदों का विवरण निम्न प्रकार हैः–

पद का नाम	विषय	निर्धारित शैक्षित योग्यता	कुल रिक्त पदों की संख्या	आरक्षण/संवर्ग रिक्त पदों का विवरण					मानदेय प्रतिमाह
				अना रक्षित	ई0 डब्लू0 एस0	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु0 जाति	अनु0 जन जाति	
पूर्ण कालिक शिक्षिका	गणित	गणित पी०सी०एम० वर्ग से प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी०ई०टी०	3	1	–	1	1	–	25410/–
	अंग्रेजी	अंग्रेजी विषय के साथ प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी०ई०टी०	1	1	–	–	–	–	25410/–
अंश कालिक शिक्षिका	कम्प्यूटर	कम्प्यूटर शिक्षिका के लिए प्रशिक्षित स्नातक होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण उपाधि के अन्तर्गत एन०सी०टी०ई० से मान्य बी०एड०/समकक्ष एल०टी० इत्यादि प्रशिक्षण सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त कम्प्यूटर शिक्षण हेतु पी०जी०डी०सी०ए०/बी०सी०ए०/बी०एस०सी० कम्प्यूटर साइंस अथवा स्नातक सहित डी०ओ०ई० ए०सी०सी० या समकक्ष संस्था से 'ओ लेवल'/ए लेवल डिप्लोमा आदि शैक्षिक योग्यता भी वांछित होगी।	4	1	1	1	1	–	12790/– (ई0पी0एफ0 सहित)
	कला–काफट	कला काफ्ट एवं संगीत/गृह शिल्प, गृह विज्ञान विषय से स्नातक, एन०सी०टी०ई० से मान्य बी०एड०/समकक्ष एल०टी० प्रशिक्षण	1	1	–	–	–	–	12790/– (ई0पी0एफ0 सहित)
	शारीरिक शिक्षा	स्नातक के साथ बी०पी०एड०, सी०पी०एड० तथा डी०पी०एड० आदि मान्य होगी इन अभ्यर्थियों हेतु टी०ई०टी०अनिवार्य नहीं होगी।	1	0	–	1	–	–	12790/– (ई0पी0एफ0 सहित)
शिक्षिका	उर्द	उर्दू शिक्षिका हेतु निर्धारित योग्यता बी०ए० उर्दू विषय से तथा एल०टी० या बी०टी० या बी०एड० या अन्य समकक्ष शिक्षा अथवा शिक्षण में डिग्री या डिप्लोमा होगी।	2	–	–	1	1	–	17196/– (ई0पी0एफ0 सहित)
मुख्य रसोइया	–	कक्षा–8 पास	1	–	–	1	–	–	9006/– (ई0पी0एफ0 सहित)
सहायक रसोइया	–	कक्षा–8 पास	2	–	1	1	–	–	6755/– (ई0पी0एफ0 सहित)
चपरासी	–	कक्षा–8 पास	1	1	–	–	–	–	7505/– (ई0पी0एफ0 सहित)
कुल रिक्तियों की संख्या			16	5	2	6	3		

➤ कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में शैक्षिक स्टॉफ यथा पूर्णकालिक शिक्षिका, उर्दू शिक्षिका तथा अंशकालिक शिक्षिका के पद पर चयन सीधे मेरिट के आधार पर किया जायेगा। पूर्णकालिक शिक्षिका, उर्दू शिक्षिका तथा अंशकलिक शिक्षिका के पद हेतु अभ्यर्थी के चयन के लिए भारांक के अंको का निर्धारण निम्न प्रकार किया जायेगा–

क्र0सं0	परीक्षा/उपाधि का नाम	गुणवत्ता अंक
1	हाई स्कूल	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X 10/100
2	इण्टरमीडिएट	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X 10/100
3	स्नातक उपाधि	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X 20/100
4	प्रशिक्षण	परीक्षा मे प्राप्तांक का प्रतिशत X 30/100
5	**भारांक**	ऐसे के०जी०बी०वी० की शिक्षिका जो शैक्षिक सत्र 2020–21 में नवीन संविदा से वंचित हो गयी हों उनके द्वारा के०जी०बी०वी० में रिक्तियों के सापेक्ष होने वाले नवीन चयन में सेवा अवधि के प्रत्येक सम्पूर्ण शैक्षिक वर्ष के लिए 2 प्रतिशत अंक अतिरिक्त परन्तु अधिकतम 30 प्रतिशत से अधिक नहीं दिया जायेगा।
	कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत अनुभव	

➤ सहायक रसोईया का पद पूर्णकालिक होगा तथा इनका साक्षात्कार 50 अंक का होगा, जिसमें शारीरिक क्षमता हेतु 20 अंक, पाक विद्या के ज्ञान हेतु 20 अंक तथा अनुभव हेतु 10 अंक निर्धारित होगें।

➤ चपरासी का पद पूर्णकालिक होगा तथा इनके साक्षात्कार के लिए 50 अंक होगें, जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य हेतु 25 अंक तथा सामान्य ज्ञान हेतु 25 अंक निर्धारित होंगे।

उक्त पदों पर चयन हेतु अर्हता, विस्तृत निर्देश एवं आवेदन पत्र का प्रारूप जनपद सिद्धार्थनगर के वेबसाईट https://siddharthnagar.nic.in पर उपलब्ध है एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है तथा आवेदन पत्र का प्रारूप फत ब्वक्म को स्कैन करके देखा जा सकता है।

शैलेश कुमार
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर

पत्रांक : समग्र शिक्षा/के.जी.बी.वी.–नियु./636–37/2026–27 | दिनांक : 06.05.2026

कार्यालय : नगर पंचायत-कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर

(सार्वजनिक सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद–सिद्धार्थनगर में निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन नगर पंचायत कपिलवस्तु कार्यालय को प्राप्त हुआ है। इन आवेदन पत्रों की जांच नगर पंचायत कपिलवस्तु के कर्मचारी के द्वारा की गई है। यदि किसी व्यक्ति को इनमें से किसी भी आवेदन पत्र के सन्दर्भ में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति के प्रकाशन के दिनांक से 07 दिवस के अन्दर कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद–सिद्धार्थनगर में लिखित रूप से साक्ष्य के साथ प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी। सूची निम्नवत हैः–

क्र. सं.	नाम	पिता/पति का नाम	आवेदक का नाम	जन्म/मृत्यु दिनांक	जन्म/मृत्यु स्थान	आवेदन का प्रकार
1	जोया	अब्दुल कायूम	समीमा खातून	25.01.2016	वार्ड नं.06 शुद्धोधन नगर (कलवारी)	मृत्यु प्रमाण पत्र
2	नूरसबा	जमाल अहमद	यासमीन	01.02.2014	वार्ड नं.14 पं०दीनदयाल नगर (लेदवा)	जन्म प्रमाण पत्र
3	शादाब	जमाल अहमद	यासमीन	13.10.2015	वार्ड नं.14 पं० दीनदयाल नगर (लेदवा)	जन्म प्रमाण पत्र
4	शहजाद	जमाल अहमद	यासमीन	01.01.2010	वार्ड नं.14 पं० दीनदयाल नगर (लेदवा)	जन्म प्रमाण पत्र
5	अंकित	नागेन्द्र	नागेन्द्र	16.11.2019	वार्ड नं.02 अम्बेडकर नगर (बभनी)	जन्म प्रमाण पत्र
6	रागिनी	पाचु	सावित्री	08.12.2018	वार्ड नं.02 अम्बेडकर नगर (बभनी)	जन्म प्रमाण पत्र
7	अर्चना	दिनेश	सरिता	23.09.2017	वार्ड नं.02 अम्बेडकर नगर (बमनी)	जन्म प्रमाण पत्र
8	आराध्या गुप्ता	रामशकर	रामसेवक	25.08.2019	वार्ड नं.10 सुभाष नगर (भावपुर)	जन्म प्रमाण पत्र
9	मुमताज आलम	मुश्ताक	मुश्ताक	16.05.2016	वार्ड नं. 15 बुद्ध नगर (बर्डपुर बाजार)	जन्म प्रमाण पत्र
10	महताब आलम	मुश्ताक	मुश्ताक	18.06.2017	वार्ड नं.15 बुद्ध नगर (बर्डपुर बाजार)	जन्म प्रमाण पत्र
11	मुख्तार आलम	मुश्ताक	मुश्ताक	16.05.2013	वार्ड नं. 15 बुद्ध नगर (बर्डपुर बाजार)	जन्म प्रमाण पत्र
12	जायसवाल शिवानी बुधेश उषा	बुधेश श्यामदेव जैस्वाल	श्यामदेव	02.12.2010	वार्ड नं.08 आजाद नगर (बसालतपुर)	जन्म प्रमाण पत्र
13	प्रिया मिश्रा	धीरज कुमार मिश्रा	धीरज कुमार मिश्रा	17.05.2006	वार्ड नं.14 पं० दीनदयाल नगर (लेदवा)	जन्म प्रमाण पत्र
14	शिवानी राजभर	राम नारायन	सुनीता	08.01.2014	वार्ड नं.08 आजाद नगर (परसा मदरहना)	जन्म प्रमाण पत्र
15	आराध्या राजभर	अर्जुन प्रसाद	मनीता देवी	13.12.2016	वार्ड नं.08 आजाद नगर (परसा मदरहना)	जन्म प्रमाण पत्र
16	अर्पन राजभर	अर्जुन प्रसाद	मनीता देवी	06.01.2019	वार्ड नं.08 आजाद नगर (परसा मदरहना)	जन्म प्रमाण पत्र
17	शशि राजभर	श्याम नरायन	मीरा देवी	16.08.2018	वार्ड नं.08 आजाद नगर (परसा मदरहना)	जन्म प्रमाण पत्र
18	शिवम	सूरज कुमार	अनीता	23.10.2019	वार्ड नं.08 आजाद नगर (बसालतपुर)	जन्म प्रमाण पत्र
19	सरोजनी राजेन्द्र कन्नौजिया	राजेन्द्र	राजेन्द्र	03.12.2018	वार्ड नं.08 आजाद नगर (परसा मदरहना)	जन्म प्रमाण पत्र
20	काव्या चौधरी	दिनेश कुमार	दिनेश कुमार	06.02.2019	वार्ड नं.01 वाल्मीकि नागर (सहिजनवां)	जन्म प्रमाण पत्र
21	अफ्फान हाशिम	मोहम्मद हाशिम	सालिहा खातून	26.11.2012	वार्ड नं.14 पं०दीनदयाल नगर (लेदवा)	जन्म प्रमाण पत्र
22	लुकमान हाशिम	मोहम्मद हाशिम	सालिहा खातून	13.09.2010	वार्ड नं.14 पं० दीनदयाल नगर (लेदवा)	जन्म प्रमाण पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर

पत्रांक : 719/न0पं0कपि0/2025–26 | दिनांक : 07.05.2026

बदस्त अवाम फरोक्त के लिए

सम्मन बगरज इनफिसाल मुकदमा

न्यायालय श्रीमान उप संचालक चकबंदी अधिकारी, जिला- सिद्धार्थनगर

मुकदमा नं0– 365/2025
मनीराम आदि पुत्रगण बेचू
निवासीगण– ग्राम– पाली, तप्पा–असनार, परगना, बांसी पूरब, तहसील– बांसी, जनपद–सिद्धार्थनगर
बनाम
1. सरकार उत्तर प्रदेश, 2. अध्यक्ष निवासी– ग्राम पंचायत–पाली, तप्पा–असनार, परगना, बांसी पूरब, तहसील– बांसी, जनपद–सिद्धार्थनगर, 3. रामउजागीर, 4. राम शंकर, 5. मधुसुदन, 6. रामशब्द, 7. पंचम् पुत्रगण गोगे, 8. चनरपाती उर्फ रेशमा, पत्नी गोगे, निवासी– ग्राम– कटयासरया खुर्द, तप्पा–असनार, परगना, बांसी पूरब, तहसील– बांसी, जनपद–सिद्धार्थनगर, 9. रामसुमिरन पुत्र भगेलू निवासी– ग्राम, पाली, तप्पा–असनार, परगना, बांसी पूरब, तहसील– बांसी, जनपद–सिद्धार्थनगर,

आपके नाम एक नालिश बाबत कायमी दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 05 सन् 2026 ई0 को उक्त न्यायालय में उपस्थित होवें तथा हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल अमूर मुत्तलिका मुकदमा का जवाब दे सकें या जिसके साथ कोई और शख्स हो जवाब ऐसे सावालात का दे सके, हाजिर होवें और जवाब देही दावा देवें और हरगाह वही तारीख 18/05/2026 को आपकी हाजिरी के लिए मुकरर्र है वास्ते इस इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है, पर आपको लाजिम है की उसी रोज उसके कुल जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही में ताईद इस्तेमाल करना चाहते हों उसी रोज पेश कीजिए, जिस तारीख को आपको उपस्थित होने के हुक्म दिया गया है।

और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बरवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख 07 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

न्यायालय श्रीमान उप संचालक चकबंदी
अधिकारी, जिला– सिद्धार्थनगर